अलीगढ़, मथुरा, लखनऊ, हाथरस (उ.प्र.) से प्रकाशित
दैनिक राजपथ
RAJPATH NEWS
E-papar के लिये लोगिन करें-
www.rajpathnews.in
आर. एन. आई. पंजीयन सं. 46096/86
डाक पंजीकरण सं.ए.एल.जी./83/2021-2023

दैनिक
राजपथ
ब्रह्मलीन संस्थापक श्री मुकट बिहारी लाल 'नवरत्न' की विचारधारा को समर्पित

"नन्नूमल"
देशी घी एवम् सरसों तेल
स्थापित 1862
मै0 मक्खनलाल नन्नूमल
(शुद्ध देशी घी का भारतवर्ष का प्राचीनतम प्रतिष्ठान)
महावीरगंज, अलीगढ़ दूरभाषः 2523866

वर्ष 39 अंक संख्या 358 | अलीगढ़ शनिवार 03 मई 2025 | प्रभात संस्करण | मूल्य–एक रूपये (पृष्ठ 8)

यूपी में एक्सप्रेस-वे पर 15 एयरक्राफ्ट की टच एंड गो प्रैक्टिस

राफेल-जगुआर, मिराज ने दिखाई ताकत;पहली बार नाइट लैंडिंग ट्रायल भी

शाहजहांपुर (एजेंसी)। यूपी के शाहजहांपुर में भारतीय वायुसेना ने गंगा एक्सप्रेस-वे पर अपना दमखम दिखाया। 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी पर जगुआर, मिराज जैसे 15 लड़ाकू विमानों ने आंधी-तूफान के बीच 'टच एंड गो' किया। सबसे पहले सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस विमान ने एक्सप्रेस-वे पर 'टच एंड गो' किया। इसके बाद जगुआर, मिग और राफेल विमानों ने एक साथ आसमान में करतब दिखाए। सिर्फ एएन-32 लड़ाकू विमान ने एक्सप्रेस-वे पर लैंडिंग की। उसे आगे बढ़ना था, लेकिन हवा की गति इतनी तेज थी कि वह आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद पायलट ने विमान को 180 डिग्री घुमाकर उसका रुख हवा की दिशा में मोड़ दिया। बीते रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर तैयार 3.5 किलोमीटर लंबी आधुनिक हवाई पट्टी का निरीक्षण किया था। यह देश की पहली ऐसी पट्टी होगी,जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन और रात में उतर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एयर शो को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने हवाई पट्टी को अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया है। इस दौरान प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, सहकारिता राज्य मंत्री जेपीएस राठौर समेत जनप्रतिनिधिगण और वायुसेना के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इससे पहले मौसम बिगड़ने की वजह से एयर शो में देरी हुई। एयर शो का समय सुबह 11 बजे निर्धारित था। विमानों की लैंडिंग से पहले शाहजहांपुर में आंधी के साथ बारिश हुई। घने बादल मंडराते रहे और तेज हवा चलने से धूल के गुबार उठते रहे। लड़ाकू विमानों की लैंडिंग देखने आए स्कूली बच्चों में गजब का उत्साह रहा।

पहलगाम में अकेला नहीं लश्कर आईएसआई ने भी दिया है साथ

- **एनआईए की जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे,पाकिस्तान सेना ने की मदद**

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) लगातार जांच में जुटी है। एजेंसी की शुरुआती रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तान सेना का भी हाथ था। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी।

एनआईए की लगातार इस हमले की जांच में जुटी है। एजेंसी ने कश्मीर घाटी से लगभग 20 ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान की है। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने हमलावरों को मदद पहुंचाई थी। फिलहाल, इन सभी से पूछताछ की जा रही है। एनआईए जल्द ही दो मुख्य ओवर ग्राउंड वर्कर्स निसार अहमद उर्फ हाजी और मुश्ताक हुसैन से भी पूछताछ करने की तैयारी में है।

पहलगाम हमले के बाद खौफ में पाकिस्तान

पीओके में लोगों को दिया राशन इकट्ठा करने का आदेश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान सीमा पर तनाव बना हुआ है। इसी बीच पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में स्थानीय प्रशासन ने सीमा के पास रहने वाले लोगों को दो महीने के लिए खाद्यान्न सामग्री का भंडार करने का आह्वान किया है। स्थानीय प्रशासन का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब पाकिस्तानी सेना लगातार पिछले आठ दिनों से सीमा पर सीजफायर का उल्लंघन कर रही है। भारतीय सेना भी इसका मुंहतोड़ जवाब दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर के प्रधानमंत्री चौधरी अनवर उल हक ने शुक्रवार को स्थानीय विधानसभा को

संबोधित करते हुए कहा कि नियंत्रण रेखा के पास स्थित 13 निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों को दो महीने का खाद्यान्न भंडार रखने का निर्देश दिया गया है। चौधरी ने कहा कि इसके अलावा स्थानीय प्रशासन ने इनकी बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक राहत कोष भी बनाया है। इसके अलावा नियंत्रण रेखा से लगे इलाकों में सड़कों के रखरखाव के लिए सरकारी और निजी कंपनियों को भी तैनात किया जा रहा है। दोनों देशों के बीच में यह तनाव 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बढ़ गया था। इस हमले में आतंकवादियों ने 26 हिंदू पर्यटकों को धर्म पूछ कर मौत के घाट उतार दिया था। भारत की तरफ से इस हमले का आरोप पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों पर लगाया। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। इसके बाद भारत सरकार ने हमले का जवाब देते हुए सिंधु जल संधि को निरस्त कर दिया।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल को कोर्ट का नोटिस

- **कहा-किसी भी स्तर पर सुने जाने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई में जान फूंकता है**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपपत्र पर संज्ञान लेते समय सोनिया और राहुल को अपना पक्ष रखने का अधिकार है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि किसी भी स्तर पर पक्ष रखने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई की जान है। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को नोटिस आज शाम तक भेज दी जाए। अब इस मामले की अगली सुनवाई 7 मई को होगी। नेशनल हेराल्ड केस एक विवादास्पद कानूनी मामला है, जो 2012 में बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से दायर शिकायत से शुरू हुआ। यह मामला नेशनल हेराल्ड अखबार, इसके प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है। नेशनल हेराल्ड की स्थापना 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने की थी और यह स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा था।

जनगणना-2011 की गलती दोहराना नहीं चाहती सरकार

- **पिछली बार 46 लाख जातियां गिनी थीं,इस बार अलग है प्लान**

पहले जातियों की सूची बनेगी,उसी आधार पर होगा जाति चयन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अब तक कुल 8 बार जातीय जनगणना हुई है। 1872 से 1931 के बीच 7 बार ब्रिटिशकाल में और एक बार 2011 में आजाद भारत में। हालांकि, 2011 की जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। जातीय जनगणना की घोषणा के साथ ही सरकार ने इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा बनानी भी शुरू कर दी है। वर्ष 2011 की जातीय जनगणना में जो गलती हुई थी, केंद्र सरकार इस बार उसे दोहराना नहीं चाहती। तब सरकार ने जातियों की पहले से कोई सूची नहीं बनाई थी, जिसने अपनी जो भी जाति बताई, उसे ही दर्ज करते गए। नतीजा ये हुआ कि 46 लाख से भी ज्यादा जातियां दर्ज हो गईं। इस बार सरकार 1931 में गिनी गई करीब 4 हजार जातियों/उपजातियों को आधार बनाकर पहले से ही सूची तैयार करेगी। एससी/एसटी/ओबीसी आयोग की मदद से सूची तैयार की जाएगी। फिर कर्मचारी यही सूची लेकर घर-घर जाएंगे और इसमें दर्ज जातियों में से ही जाति चुनेंगे।

- **जनगणना के लिए महापंजीयक का बजट भी बढ़ेगा**– जनगणना महापंजीयक का बजट भी बढ़ाने की संभावना है, जो इस साल घटकर 574.80 करोड़ रु. रह गया था। बता दें 2011 की सामाजिक आर्थिक जातीय जनगणना पर 4,389 करोड़ रु. खर्च हुए थे। केंद्र ने 2019 में जनगणना के लिए 8,754 करोड़ रु. मंजूर किए थे। इसके अलावा 3,941 करोड़ रु. नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर अपडेट करने के लिए रखे गए। फिर 2020-21 के बजट में जनगणना, सर्वे और सांख्यिकी जुटाने के लिए 4,278 करोड़ रु. और डिजिटल सेंसस के लिए 3,768 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया। इस मद में मांग 2022-23 में घटकर 552 करोड़ रु. रह गई। जनगणना में देरी होती गई और बजट भी घटता गया। 2011 में गांव में जातीय जनगणना ग्रामीण विकास मंत्रालय ने की थी।

आज का इवेंट कई लोगों की कर देगा नींद हराम

केरल से पीएम मोदी का विपक्ष पर तंज, पास में बैठे थे थरूर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में विझिनजम इंटरनेशनल सीपोर्ट परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ मंच पर केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी मौजूद थे। बंदरगाह का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन का एक ''स्तंभ'' बताया और उन्हें एवं मंच पर मौजूद कांग्रेस सांसद शशि थरूर से कहा कि उद्घाटन समारोह

कई लोगों की ''रातों की नींद हराम'' कर देगा। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गठबंधन पर चुटकी लेते हुए कहा,मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं, आप इंडी गठबंधन के एक मजबूत स्तंभ हैं, शशि थरूर जी भी यहीं बैठे हैं। आज का यह कार्यक्रम बहुतों की नींद हराम देगा। हालांकि, उनके भाषण का अनुवाद करने वाले व्यक्ति ने इसका ठीक से अनुवाद नहीं किया, जिस पर प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि ''संदेश उन तक पहुंच गया है, जिन तक यह संदेश पहुंचाना था''। इस बंदरगाह परियोजना को अडानी समूह द्वारा विकसित किया गया है, जो अक्सर विपक्षी नेताओं के निशाने पर रहता है। यही वजह रही कि मंच पर थरूर और विजयन की उपस्थिति और प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में चर्चा बन गई।

10 वर्षों में हमारे बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हुई

देश में विकास का ब्योरा देते हुए मोदी ने कहा कि जहाजों में यात्रा करने वाले लोगों की संख्या के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है और पिछले 10 वर्षों में हमारे बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है, उनकी दक्षता में सुधार हुआ है और वहां 'टर्नअराउंड' समय में 30 प्रतिशत की कमी आई है। 'टर्नअराउंड' समय किसी बंदरगाह पर एक जहाज के पहुंचने से लेकर उसके प्रस्थान तक का कुल समय होता है। मोदी ने कहा कि इस बंदरगाह का निर्माण 8,800 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और निकट भविष्य में इसके 'ट्रांसशिपमेंट हब' (माल ढुलाई एवं लदान केंद्र) की क्षमता तीन गुना हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''इसे बड़े मालवाहक जहाजों को समायोजित करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करता है। अब तक, भारत की 75 प्रतिशत 'ट्रांसशिपमेंट' गतिविधियां विदेशी बंदरगाहों पर की जाती थीं, जिसके परिणामस्वरूप देश को राजस्व का बड़ा नुकसान होता था।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''हालांकि, अब इसमें बदलाव आने वाला है। पहले विदेशों में खर्च किए जाने वाले कोष को अब घरेलू विकास में लगाया जाएगा, जिससे विझिनजम और केरल के लोगों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे।

धर्म ही बदल लिया तो फिर कैसे रह गए दलित

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने खारिज किया एससी-एसटी एक्ट का केस

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों के धर्म परिवर्तन को लेकर बड़ा बयान दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई अनुसूचित जाति का व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो उसका एससी का दर्जा भी खत्म हो जाता है। ऐसे में वह अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। हाईकोर्ट के एकल बेंच पर जस्टिस हरिनाथ ने गुंटूर जिले के रहने वाले अक्कला रामी नाम के शख्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बयान दिया। अक्कला पर आरोप था कि उसने हिंदू से ईसाई बने एक चिंतादा नामक शख्स को जातिसूचक गालियां दी हैं। अक्कला के वकील ने कोर्ट में दावा किया कि चिंतादा ने दावा किया है कि वह एक स्थानीय चर्च में पादरी के तौर पर काम कर रहा है। उसने दशक से भी ज्यादा समय पहले अपनी मर्जी से अपने धर्म को बदला था। अब जब ईसाई धर्म जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं देता है, तो फिर एससी-एसटी एक्ट का कोई मतलब ही नहीं रह जाता। जस्टिस हरिनाथ ने कहा कि जब चिंतादा खुद ही कह रहा है कि वह पिछले 10 सालों से ईसाई धर्म का पालन कर रहा है, तो पुलिस को आरोपी के ऊपर एससी एसटी एक्ट के तहत केस नहीं करना चाहिए था। जस्टिस हरिनाथ ने अक्काला के वकील के तर्क को मानते हुए कहा कि एससी-एसटी एक्ट उन समुदायों से जुड़े व्यक्तियों की रक्षा के लिए हैं न कि धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों के लिए नहीं।

अमेरिका ने दी भारत को हॉकआई 360 देने की मंजूरी

- **खास है यह 'हथियार', समुद्र में बढ़ जाएगी चीन की धड़कन**
- **समुद्री निगरानी,अवैध गतिविधियों का पता लगाने में होगी मदद**

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत को हॉकआई 360 की बिक्री को मंजूरी दे दी है। इस डील में रेडियो फ्रीक्वेंसी सेंसर, एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर, सिस्टम इंटीग्रेशन सपोर्ट और ट्रेनिंग मॉड्यूल शामिल हैं। इसकी कुल कीमत 131 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। इससे भारत को अपनी समुद्री निगरानी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। खासतौर से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में हॉकआई 360 से भारत को रियल-टाइम समुद्री निगरानी करने में आसानी हो जाएगी। ये समुद्री सुरक्षा के लिहाज से भारत के लिए एक अहम डील है। इसकी अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि इंडो-पैसिफिक में चीन ने अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर है, जो भारत के लिए चिंता का सबब रहा है। हॉकआई 360 छोटे-छोटे सैटेलाइट्स का एक समूह है। ये सैटेलाइट्स पृथ्वी की निचली कक्षा में घूमते हैं और रेडियो फ्रीक्वेंसी को ट्रैक करते हुए उनकी जगह बताते हैं। ये सैटेलाइट समूह जहाजों, विमानों, वाहनों और तटीय प्रणालियों (कोस्टल सिस्टम) से आने वाले संचार संकेतों को ट्रैक करते हैं। हॉकआई 360 सैटेलाइट उस जहाज के रेडियो फ्रीक्वेंसी एमीशन को भी पकड़ता है, जिसने अपने ट्रांसपोंडर को बंद कर रखा है। भारत को हॉकआई 360 सिस्टम भारत को बड़े समुद्री क्षेत्रों, खासतौर से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रियल-टाइम निगरानी करने में मदद करेगा। इससे समुद्री अभियानों में जागरुकता और किसी घटना पर प्रतिक्रिया देना आसान होगा।

न कोई एयरक्राफ्ट कैरियर न ही ताकतवर डिस्ट्रॉयर

- **पनडुब्बियां भी आधी,भारत के आगे पिद्दी है पाक नेवी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। इस बीच बुधवार को पाकिस्तान ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि भारत अगले 24 से 36 घंटों में सैन्य कार्रवाई कर सकता है। लेकिन पाकिस्तान के इस बयान के बीच एक सवाल बार-बार उठ रहा है कि क्या पाकिस्तान वाकई भारत से जंग का मुकाबला कर सकता है। समुंदर में पाक की सेना भारत के सामने पिद्दी नजर आ रही है। अगर जंग हुई तो भारतीय नौसेना की ताकत पाकिस्तान से दोगुनी है। ग्लोबल फायरपावर के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पास 2 एयरक्राफ्ट कैरियर हैं जबकि पाकिस्तान के पास एक भी नहीं। भारत के पास 13 डिस्ट्रॉयर हैं, जबकि पाकिस्तान के पास एक भी नहीं है। इतना ही नहीं नौसेना के अन्य पहलुओं पर पाकिस्तान की तुलना करें तो भारतीय नौसेना के पास कुल 293 लड़ाकू और सहायक जहाज हैं, जबकि पाकिस्तान की पूरी नौसेना केवल 121 संसाधनों तक सीमित है। भारत के पास 18 पनडुब्बियां हैं, तो पाकिस्तान के पास सिर्फ 8 हैं। ऐसे में पाकिस्तान, भारत का क्या ही मुकाबला कर सकता है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तारड़ ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि उनके पास पक्की खुफिया जानकारी है कि भारत सैन्य कार्रवाई की तैयारी में है। वहीं विदेश मंत्री इशाक डार ने भी कहा कि भारत विस्तार करने की दिशा में बढ़ सकता है। हालांकि, भारत की ओर से इन दावों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

बी0एड0 प्रवेश परीक्षा 2025 की तैयारियों के संबंध में एडीएम ने की वैठक

हाथरस। प्रस्तावित उ0प्र0 संयुक्त बी0एड0 प्रवेश परीक्षा 2025 की तैयारियों के संबंध में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में बैठक करते हुए अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिव नारायण शर्मा ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान प्रचार्य/जनपद समन्वयक संयुक्त बी0एड0 प्रवेश परीक्षा 2025 प्रो0 डा0 महावीर सिंह छोंकर ने जानकारी देते हुए बताया कि बी0एड0 संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा दिनांक 01.06.2025 को संपादित कराई जानी है। जिसके क्रम में जनपद में छः परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, जिनमें लगभग 2541 परीक्षार्थियों की प्रवेश परीक्षा कराया जाना प्रस्तावित है। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने उ0प्र0 संयुक्त बी0एड0 प्रवेश परीक्षा 2025 की सुचिता सुनिश्चित करने हेतु एक प्रतिनिधि/अधिकारी को नगर प्रभारी, प्रति दो परीक्षा केन्द्रों हेतु एक केन्द्र प्रतिनिधि नामित किये जाने तथा परीक्षा की सुचिता सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं उन सभी में मूलभूत आवश्यक तैयारियों को ससमय पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला सूचना अधिकारी, परीक्षा केन्द्रों से संबंधित केन्द्र प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

दहेज हत्या के मुकदमे से सम्बन्धित 01 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

हाथरस। फरार/वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सादाबाद के निकट पर्यवेक्षण में थाना चंदपा पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए दहेज हत्या के मुकदमे से सम्बन्धित 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना चंदपा पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

जुआ खेल रहे 04 जुआरियों को किया गिरफ्तार

हाथरस। पुलिस अधीक्षक हाथरस चिरंजीव नाथ सिन्हा के आदेशानुसार जुआ/सट्टे की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सादाबाद के निकट पर्यवेक्षण में थाना सादाबाद पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए 04 अभियुक्तों को हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते समय गिरफ्तार किया गया है । जिनके कब्जे से 3,750/— रूपये नगद व 52 पत्ता ताश बरामद हुए है । अभियुक्तगणों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना सादाबाद पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

हाथरस समाचार

पुलिस भर्ती में चयनित 1034 अभ्यर्थियों के "चिकित्सा परीक्षण व चरित्र सत्यापन हुआ

हाथरस। चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती–2023 की लिखित परीक्षा के आधार पर चयन प्रक्रिया के अगले चरण में अभ्यार्थियो के चिकित्सा परीक्षण व चरित्र सत्यापन" प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत रिजर्व पुलिस लाईन स्थित परीक्षण केंद्र का भ्रमण/निरीक्षण किया गया । इस दौरान मेडिकल परीक्षण हेतु गठित टीम के अधि0/कर्मचारीगण, मेडिकल व चरित्र सत्यापन की संवीक्षा हेतु ड्यूटी में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे । जनपद में दिनांक 22.04.2025 से प्रारम्भ होकर दिनांक 07.05.2025 तक चलने वाली " मेडिकल व चरित्र सत्यापन" प्रक्रिया के निरीक्षण के दौरान गठित टीम के अधिकारी/कर्मचारीगण को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी गाइड्लाइन से अवगत कराते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये, चरित्र सत्यापन एक आवश्यक प्रकिया जिसमे चयनित अभ्यार्थीयों के आपराधिक रिकार्ड की जाँच करना है। तत्पश्चात मेडिकल व चरित्र सत्यापन" हेतु उपस्थित अभ्यर्थियों से वार्ता की गई तथा उनको बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान महोदय द्वारा अभ्यार्थियों की सुविधा हेतु बनायें गये काउन्टरों/टेबलों को चेक किया गया, अभ्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हों, यह सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

विद्युत कटौती से जनता परेशान

विद्युत कार्य के नाम पर 10 घण्टे से अधिक की जाती है कटौती

फिरोजाबाद 2 मई। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा है कि विद्युत विभाग की मनमानी के कारण नगर के नागरिक परेशानी का सामना कर रहे विद्युत कार्य करने के नाम पर 10 घण्टे से अधिक की जाती है कटौती

भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के महानगर अध्यक्ष प्रशांत माहेश्वरी ने विद्युत विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा है, कि फिरोजाबाद की जनता को पड़ रही भीषण गर्मी में मुश्किल से 15 घण्टे लाइट मिल पा रही है। विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी विद्युत कार्य करने के नाम पर कई कई घण्टे कटौती करते है। उन्होंने कहा कि आज शुक्रवार को सुबह लगभग 6 बजे के करीब तेज बारिश होने के कारण सुबह से ही विद्युत सप्लाई को बंद कर दिया गया, लाइट न मिलने के कारण लोगो को पीने के लिये खाली बर्तन लेकर इधर उधर भटकना पड़ा। वही घरो में लगे इन्वेंटर भी देर तक सप्लाई न मिलने के कारण डिस्चार्ज हो गये। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री से मांग करते हुए कहा है। कि आगरा की तरह फिरोजाबाद के विद्युत विभाग को प्राइवेट कम्पनी को दे दिया जाये। वही उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति के आदेशों के बाबजूद फिरोजाबाद के विद्युत विभाग के अधिकारी उनके आदेशो को पलीता लगा रहे है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि नगर की जनता और व्यापारी वर्ग बिजली न मिलने के कारण काफी परेशान है, अगर विभाग के अधिकारी 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति देने की व्यवस्था नही करेगा, तो व्यापार मंडल विद्युत विभाग का पुतला दहन करने और आंदोलन करने को सड़क पर उतरने में बाध्य होगा।

कैमिकल की केन में लगी आग चपेट में आकर युवक झुलसा

फिरोजाबाद। थाना लाइनपार के मोहल्ला लवकुश नगर में शुक्रवार की दोपहर घर मे रखी कैमिकल की केन में आग लगने के कारण एक युवक चपेट में आकर झुलस गया जिसे उपचार के लिये सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आये जहां चिकित्सक ने उसे भर्ती कर उसका उपचार शुरू कर दिया। थाना लाइनपार के मोहल्ला लवकुशनगर में शुक्रवार की दोपहर में घर मे रखे कैमिकल की केन में अचानक आग लगने के कारण पास बैठा 20 वर्षीय अमरनाथ पुत्र राजकुमार उसकी चपेट में आकर बुरी तरह से झुलस गया। परिजन उसे आनन फानन में उपचार के लिये सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आये, जहां चिकित्सक ने भर्ती कर उसका उपचार शुरू कर दिया।

नाले में युवक का शव पड़ा मिलने से मचा हड़कंप

फिरोजाबाद 2 मई। थाना दक्षिण के मोहल्ला हिमायूंपुर सब्जी मंडी के समीप शुक्रवार की प्रात नाले में युवक शव मिलने से हड़कंप मच गया सूचना पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है

हिमायूंपुर सब्जी मंडी के समीप शुक्रवार की प्रात लोगों ने नाले में एक युवक का शव पड़ा देखा तो मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई इधर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची उसने लोगों की सहायता से शव को नाले से निकाला और उसकी पहचान कराने का प्रयास किया इधर घटना की जानकारी होते ही मृतक के परिजन भी पहुंच गए जिन्होंने उसकी पहचान 40 वर्षीय सत्यपाल पुत्र रामपाल राठौर निवासी फर्रुखाबाद हाल निवासी हिमायूंपुर थाना दक्षिण के रूप में की है परिजनों ने बताया कि मृतक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था वह शराब पीने का आदी था

यातायात पुलिस ने मॉडीफाइड पटाका साइलेंसर लगी बुलेट की सीज

फिरोजाबाद 2 मई। यातायात पुलिस ने एक बुलेट मोटर साइकिल को सीज किया है। बाइक सवार मॉडीफाइड पटाका साइलेंसर लगा फर्राटे भर रहा था। उस पर चालन भी किया गया है। यातायात पुलिस ने चौकिंग के दौरान नालबन्द चौराहे पर एक मोडिफाइड बुलट मोटरसाइकिल पर स्टंट करते एक युवक को पकड़ा है। पुलिस ने स्टंटबाज का नाम इबादत पुत्र शाबाब बताया है। वह कश्मीरी गेट थाना रामगढ़ का रहने वाला है।

पुलिस ने मोडिफाइड बुलट मोटरसाइकिल को धारा 207 मोटर व्हीकल एक्ट तथा रैश ड्राइविंगम के तहत कार्यवाही कर सीज किया है। उस पर 7500 रुपये का चालान भी किया गया है ।

भगवान परशुराम की शोभायात्रा कल धूमधाम से निकलेगी

फिरोजाबाद 2 मई। जिला ब्राह्मण महासभा पंजीकृत फिरोजाबाद के अध्यक्ष पंडित शिवकुमार शर्मा एडवोकेट द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन होटल शिवम गोपाल आश्रम के सामने में किया गया। जिसमें जिलाध्यक्ष पंडित शिवकुमार शर्मा ने बताया कि जिला ब्राह्मण महासभा पंजीकृत फिरोजाबाद के तत्वाधान में निकलने वाली महर्षि भगवान परशुराम जी की शोभायात्रा जिला ब्राह्मण महासभा पंजीकृत फिरोजाबाद द्वारा शोभा यात्रा के अध्यक्ष पंडित तरुण उपाध्याय तथा संयोजक पंडित दिनेश वशिष्ठ के नेतृत्व में 4 मई दिन रविवार समय साय 4.00 बजे धूमधाम से निकल जाएगी। पंडित शिवकुमार शर्मा ने बताया कि प्रशासन द्वारा अनुमति मिलने के बाद सभी जिला ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी एवं शोभा यात्रा के पदाधिकारी पूरी ताकत के साथ जनसंपर्क में लगे हुए हैं और हम सभी लोग इसमें आर्थिक सहयोग ले रहे हैं वे सिर्फ अपने लोगों से ले रहे हैं शोभा यात्रा के लिए किसी प्रकार का सार्वजनिक चंदा नहीं किया जा रहा है। हम सभी लोगों को बताना चाहते हैं कि कोई भी व्यक्ति अगर आपके पास सार्वजनिक चंदा लेने के लिए आए रसीद काटे तो कृपया तुरंत हम सभी लोगों को सूचित करें। जिला ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में ही शोभायात्रा भगवान की निकलेगी और हम सभी लोग इसका आयोजन कर रहे हैं इसमें किसी अन्य संगठन के व्यक्ति की ना तो आर्थिक और ना ही शारीरिक मदद ली जाएगी। हम लोग पूरी शालीनता के साथ शोभा यात्रा निकालने जा रहे हैं प्रशासन के सहयोग से। हमें पूरा यकीन है की शोभा यात्रा में प्रशासन अपना पूरा सहयोग करेगा। प्रेस वार्ता के दौरान पंडित दिनेश वशिष्ठ, पंडित अरविंद पचौरी,पंडित मिथिलेश वशिष्ठ,पंडित रिचा दिक्षित, पंडित मधुरिमा वशिष्ठ, पंडित रीना शर्मा, पंडित कीर्ति शर्मा, पंडित लवली मिश्रा, पंडित नीतू शर्मा, पंडित उमाकांत पचौरी, पंडित सुनील वशिष्ठ, पंडित विकास दुबे, पंडित अनुराग रावत, पंडित संजय शर्मा, पंडित अरुण शर्मा, पंडित गोपाल दुबे, पंडित यश दुबे, पंडित लक्ष्मण तिवारी, पंडित संजय पाराशर लंकेश, पंडित बाल गोविंद शर्मा, पंडित जितेन शर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत फतेहगढी वि0ख0–खैर जनपद–अलीगढ़

ग्राम पंचायत फतेहगढी वि0ख0 खैर में चतुर्थ राज्य वित्त/14 वाँ वित्त आयोग/मनरेगा/15 वां वित्त आयोग/पांचवा वित्त के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में कार्य योजना के अनुसार कार्य कराने हेतु निम्नलिखित कार्यों को कराने हेतु पंजीकृत फर्म/टेन्डर संस्थाओं से सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक निविदादाता सामग्री की दरें उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत
1.	भोला के घर से रामदयाल के घर तक इण्टरलॉक व नाली निर्माण कार्य	250000/-
2.	कुमरपाल के घर से विजेन्द्र संजू के घर तक इण्टरलॉक व नाली निर्माण कार्य	300000/-
3.	राजवीर के घर से विजेन्द्र संजू के घर तक इण्टरलॉक व नाली निर्माण कार्य	290000/-

निविदा की शर्तेः–निविदा के समय पंजीकरण RED/आयकर आदि प्रमाण पत्रों की छायाप्रति संलग्न करें। 2–टैण्डर फार्म ग्राम पं.कार्यालय से 3/5/25 से 08/5/25 तक प्रातः 10 से 2 बजे फार्म व सामग्री वितरण फार्म प्राप्त करें। 1.निविदा दिनांक 09/5/25 में निविदादाताओं की सीलबन्द लिफाफे निविदादाताओं एवं समिति के समक्ष खोले जायेंगे। 2.निविदा को समिति द्वारा बिना कारण अस्वीकृत करने का अधिकार होगा। 3.किसी के विवादों हेतु न्यायक्षेत्र अलीगढ़ होगा। 4.निविदा संबंधी अन्य जानकारी ग्राम पं. कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान — ग्राम पंचायत सचिव

एटा समाचार

पापकार्न मेकिंग मशीन निःशुल्क वितरित होंगी

एटा 02 मई। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अशोक सिंह ने बताया है कि ग्रामीण क्षेत्र के पापकार्न बनाने वाले भुर्जी समाज के कारीगरों एवं इस उद्योग में रूचि रखने वाले अन्य उद्यमियों को उ०प्र०खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा पापकार्न मेकिंग मशीन निःशुल्क वितरित की जानी है। इच्छुक उद्यमी अपना आवेदन पत्र बैबसाइट upkvib.gov.in में ऑनलाइन सेवाओं के अन्तर्गत ऑनलाइन टूलकिटस पंजीकरण एवं आवंटन पर यथाशीघ्र पूर्णकर सम्बन्धित प्रपत्रों सहित अपलोड करें, अभ्यर्थियों का चयन स्कोर कार्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जायेगा ।

दोना मेकिंग मशीन निःशुल्क वितरित की जायेंगी

एटा 02 मई। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अशोक सिंह ने बताया है कि ग्रामीण क्षेत्र के दोना बनाने वाले परम्परागत एवं इस उद्योग में रूचि रखने वाले अन्य कारीगरों को उ०प्र०खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा दोना मेकिंग मशीन निःशुल्क वितरित की जानी है। इच्छुक उद्यमी अपना आवेदन पत्र बैबसाइट upkvib.gov.in में ऑनलाइन सेवाओं के अन्तर्गत ऑनलाइन टूलकिटस पंजीकरण एवं आवंटन पर यथाशीघ्र पूर्णकर सम्बन्धित प्रपत्रों सहित अपलोड करें, अभ्यर्थियों का चयन स्कोर कार्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जायेगा।

मुख्यमन्त्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत ऋण प्राप्त करें

एटा 02 मई। उपायुक्त उद्योग प्रेमकान्त ने बताया कि मुख्यमन्त्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत हर युवा वर्ग को अपने स्वयं के रोजगार से जुडने का सुनहरा अवसर, प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान किया जा रहा है। जनपद के ऐसे अभ्यथी जिनकी आयु 21 से 40 वर्ष के बीच है तथा कम से कम कक्षा–8 उत्तीर्ण है योजनान्तर्गत रू० 5.00 लाख का ऋण बैंकों के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। लाभार्थी द्वारा लिये गये ऋण पर कोई ब्याज नहीं देना होता है, बल्कि लाभार्थी की ओर से प्रदेश सरकार बैंक को ब्याज का भुगतान करेगी तथा 10 प्रतिशत सब्सिडी भी लाभार्थी को प्रदान की जायेगी।

उन्होंने जनपद एटा के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले पात्र नवयुवकों/नवयुतियों को सूचित किया है कि सी०एम०युवा उद्यमी विकास योजना के अन्तर्गत फूड ट्रक, मोबाइल किचिंग, मोबाइल हेल्थ वैन, मोबाइल ब्यूटीपार्लर, हेयर बैन, ड्रोन कैमरा वीडियोग्राफी, उवर्रक स्प्रे, फेचाइजी बिजेनेस, बिजनेस आन व्हीकल्स, सोलर पॉप कम सर्विस, टेक्ट्रर, कार, रिपेरिंग, टमाटर कैचप, अदरक लहसुन पेस्ट, चिप्स, नमकीन, खाद्य तेल, आयरन फेब्रीकेशन वर्क, लकडी के फर्नीचर, कूलरवाडी, स्टील अल्मारी, मोबाइल रिपेरिंग, आटो मोबाइल रिपेरिंग, वाहन धुलाई केन्द्र, बेकरी उत्पाद, विभिन्न प्रकार की मिठाईयां दोना पत्तल, टेन्ट हाउस, आटा चक्की, आयल एक्सपेलर, रेडीमेड वस्त्र बनाना, एवं अन्य ऐसे उद्योग/सेवा सम्बन्धी कार्य कर सकते हैं। इच्छुक युवा वेबसाइट www.msme.up.gov.in पर जाकर आपना आवेदन कर सकते हैं।

फिरोजाबाद समाचार

खेत मेड पर बधे कटीले तारों में युवक का शव फंसा मिलने से मचा हड़कंप

फिरोजाबाद 2 मई। थाना दक्षिण के गांव लालऊ के एक खेत की मेड़ पर बधे तारों में शुक्रवार की दोपहर युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है

थाना मक्खनपुर के गांव जेवडा निवासी 26 वर्षीय धीरज यादव पुत्र राम बहादुर यादव ट्रैक्टर चालक था वह ईटों की ट्रैक्टर द्वारा सप्लाई करता था उसका शव शुक्रवार की दोपहर थाना दक्षिण के गांव लालऊ स्थित एक खेत की मेड से बंधे तारों में फंसा हुआ ग्रामीणों ने देखा तो मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई इधर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसने आला अधिकारियों को जानकारी दी वह भी मौके पर पहुंच गए जिन्होंने घटनास्थल का गहनता से निरीक्षण किया इधर सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी पहुंच गए उन्होंने बताया कि धीरज गुरुवार की प्रातः करीब 9.00 बजे ईटो के पैसे लेने के लिए घर से निकला था बाद उसका कोई पता नहीं चला परिजन उसे तलाशते रहे परंतु कोई सुराग नहीं लगा इधर शुक्रवार की दोपहर एक युवक का शव गांव लालऊ स्थित एक खेत की मेड़ पर बंधे तारों में मिलने की सूचना मिली तब वह लोग यहां आए देखा तो शव धीरज का ही था पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि मौत का सही कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से कराया जा रहा है असलियत पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी कि उसकी मौत कैसे हुई उसके बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस ने ठगी के शिकार के रुपए वापस कराए

फिरोजाबाद। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार के रुपए वापस कराए। रुपए मिलने पर युवक ने पुलिस को धन्यवाद कहा।

थाना पचोखरा के गांव छितरई निवासी दानवीर पुत्र महावीर सिंह के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति ने रिश्तेदार बनकर 30,000/— रूपयों की ऑनलाइन ठगी कर ली। ठगी की शिकायत पीड़ित ने एम0एच0ए0 द्वारा संचालित एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कराई गयी थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने थाना साइबर क्राइम पुलिस टीम को प्रकरण के शीघ्र अनावरण के निर्देश दिए थे।

थाना साइबर क्राइम टीम ने समयबद्ध प्रयास करते हुए सम्बन्धित बैंको व नोडल अधिकारियों से उचित माध्यम से पत्राचार किया। जिसके क्रम में वादी की पूरी धनराशि कुल 30,000/— रुपये सकुशल वापस कराए गए है।

शिकायत कर्ता दानवीर ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं थाना साइबर अपराध पुलिस टीम को धन्यवाद दिया।

एस एसपी ने परेड के बाद अर्दली कक्ष किया आयोजन, दिए निर्देश

फिरोजाबाद 2 मई। एसएसपी सौरभ दीक्षित ने शुक्रवार परेड की सलामी ली। शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने को पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवाई गई। परेड के पश्चात उन्होंने पुलिस लाइन की समस्त शाखाओं का निरीक्षण कर सम्बन्धित को कई बिंदुओं पर निर्देश दिए।

उन्होंने अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने को टोलीवार ड्रिल की कार्यवाही कराई। टोलीवार पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चौक किया।

इसके पश्चात पुलिस लाइन स्थित सभागार में अर्दली कक्ष का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्ष ने समस्त शाखा प्रभारियों को संबंधित रजिस्टर पूर्ण एवं अद्यतन रखने हेतु निर्देशित किया गया।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद, पुलिस लाइन, क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षु, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन फिरोजाबाद एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बेटी की डोली उठने से पूर्व पिता की आकाशीय बिजली गिरने से हुई मौत

4 मई को होनी थी शादी

फिरोजाबाद 2 मई। पुत्री के हाथ पीले करने से पूर्व पिता की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई जिससे शादी की खुशियां गम में बदल गई और परिवार में कोहराम मच गया।

थाना एका का क्षेत्र के गांव पवरई निवासी 45 वर्षीय जयदयाल पुत्र राजपाल सिंह दूध बेचने का काम करता था वह शुक्रवार की प्रात दूध लेने के लिए जा रहा था तभी तेज आंधी और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली उसके ऊपर गिर गई जिससे वह बुरी तरह झुलस गया और उसने दम तोड़ दिया जिससे परिवार में कोहराम मच गया सूचना पुलिस को दी मौके पर तहसीलदार लेखपाल भी पहुंच गए जिन्होंने घटना की जानकारी करने के बाद कार्यवाही शुरू की इधर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है परिजनों के अनुसार मृतक की पुत्री की शादी 4 मई को है उसकी इसी थाना क्षेत्र के नगला धारा से बारात आनी थी जिसकी परिवार में तैयारियां चल रही थी और घर में सभी रिश्तेदार भी आ चुके थे इधर घटना से परिवार में कोहराम मच गया और शादी की खुशियां गम में बदल गई वही शादी की सारी तैयारियां धरी रह गई मृतक ने अपने पीछे विधवा पत्नी एक पुत्र पुत्रवधू और एक पुत्री को रोते बिलखते छोड़ा है वही मृतक की पुत्री रो–रो कर कह रही थी कि बाबुल तुम तो चले गए अब मुझे डोली में कौन बिठाएगा पुत्री का करुण क्रंदन मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गई अचानक हुए इस हादसे से पूरे गांव में मातम पसर गया है और घरों में चूल्हे नहीं सुलगे हैं

बुर्जवाला कुआ पर महर्षि परशुराम की प्रतिमा के समक्ष धूमधाम से मनाया गया जन्मोत्सव

❑जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय ने पूजा अर्चना कर किया था शुभारंभ

हाथरस 2 मई।(दैनिक राजपथ) बुर्जवाला कुआ स्थित महर्षि भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष जन्मोत्सव कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया गया था। व्यापारी नेता योगेन्द्र शर्मा योगा पंडित द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय ने पूजा अर्चना करके किया था। व्यापारी नेता योगा पडित द्वारा सीमा उपाध्याय यतेन्द्र शर्मा का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया था। विद्वान पंडित उपेन्द्र चतुर्वेदी द्वारा भगवा परशुराम की प्रतिमा के समक्ष हवन यज्ञ व विशाल आरती के उपरांत प्रसादी वितरित की गयी थी। यहा पर दिन भर विप्र बंधुओ के अलावा शहरके प्रमुख राजनेताओ अधिवक्ताओं व्यापारियों पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियो के अलावा साहित्यकार व पत्रकारो की भीड लगी रही थी। इस मोके पर प्रमुख रूप से व्यापारी नेता व स्पईसी रेस्टोरेन्ट के संचालक योगेंद्र शर्मा योगा पंडित, करन शर्मा, मयंक शर्मा, यतेंद्र शर्मा, डॉ शिव शंकर गौड़, संजय शर्मा बीबीसीएन, सीओ राम प्रवेश राय, सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गिरीश चंद गौतम, क्राइम निरीक्षक मणिकांत शर्मा, हाथरस जंक्शन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र सिंह राघव, सासनी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार शर्मा, ब्राहमण महासभा पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा बंटी भैया, भा. जपा नेता सुमित शर्मा, डॉ विकास शर्मा, नवीन शर्मा, प्रतीक शर्मा, प्रवीन शर्मा, राज. ्न्द्र प्रकाश शर्मा, गिरीश शर्मा, सचिन शर्मा, तन्मय शर्मा, दाऊ शर्मा, गोविंद शर्मा, डॉ गिरीश गौड़, साहित्यकार विद्यासागर विकल गोपाल चतुवेदी, पत्रकार अतुल नारायन कुलश्रेश्ट, शुभम गुप्ता, उमांकात पुढीर सहित अन्य सैकडो लोग शामिल हुये थे।

बाबा श्री गोपेश्वरनाथ महादेव की बड़ी धूमधाम के साथ निकली दिव्य व भव्य पालकी यात्रा, जगह–जगह पुष्प वर्षा कर हुआ स्वागत

हाथरस। (दैनिक राजपथ) श्री गोपेश्वर नाथ सेवा समिति के तत्वावधान मे बाबा श्री गोपेश्वर नाथ महादेव जी के 154 वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर श्री गोपेश्वर नाथ जी की दिव्य व भव्य विशाल पालकी यात्रा बड़े ही धूमधाम के साथ निकाली गई। पालकी यात्रा का भक्तों ने जगह–जगह आरती उतारकर व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया ।

पालकी यात्रा का शुभारम्भ मन्दिर के आचार्य व विद्वान प० प्रदीप भारद्वाज ने बाबा श्री गोपेश्वर नाथ जी की पूजा अर्चना क कराकर व आरती उतारकर किया। पालकी यात्रा शोभायात्रा मन्दिर से शुरू होकर सासनी गेट, कमला बाजार, गुड़हाई बाजार, पसरट्टा बाजार, नयागंज, चक्की बाजार, मैण्डू गेट, सरक्यूलर रोड़ होती हुई मन्दिर पहुची।

पालकी शोभायात्रा का जगह– जगह लोगो ने पुष्प बर्षा कर ठन्डा पेय पदार्थो के साथ स्वागत किया वही बाबा श्रीगोपेश्वर नाथ जी की आरती उतारकर आर्शीवाद लिया। शोभायात्रा मे बाबा की पालकी मे विराजमान श्री गोपेश्वर नाथ जी दिव्य व अलौकिक छवि को लोग निहारते रहे । डमरू की झांकी ने समूचा वातावरण शिवमय बना दिया वही शोभायात्रा मे शामिल महिलाएं व पुरुष संकीर्तन मंडल के भक्तिमय भजनों की धुनों पर नाचते चल रहे थे।

पालकी शोभायात्रा मे भाजपा जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी,प्रमोद कौशिक, बृजेश मिश्र, कुलदीप शर्मा,पवन अग्रवाल, राजेश सिह गुड्डू, अमित अग्रवाल, कृष्ण गोपाल सारड़ा, रवि वर्मा, सुमित पचौरी, गोपाल गर्ग, आशीष रस्तोगी, नितिन बागला, अंकित अग्रवाल लखन वार्ष्णेय, प० कृष्णा गुरु, चिन्टू कैटर्स, प्रहलाद सारड़ा, अजीत शर्मा, व्यापारी नेता सुरेश अग्रवाल, दिनेश माहेश्वरी, जय शर्मा, कृष्ण गोपाल शर्मा, डा० वीपी सिंह , राहुल कुमार, अतुल चौधरी, भाजपा नेता देवेन्द्र शर्मा, संजीव जैन भूरा, गुड्डू जैन, उमेश चन्द्र शर्मा,डा० रघुकुल दुबे, कुलदीप सिकरोरिया, आदि बड़ी संख्या मे भक्तजन शामिल थे।

जातिगत जनगणना कराने के लिये कांग्रेस कमेटी ने की धन्यवाद सभा

हाथरस 2 मई। (दैनिक राजपथ) जिला शहर काँग्रेस कमेटी हाथरस के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष विवेक उपाध्याय और शहराध्यक्ष योगेश कुमार ओके के नेतृत्व में संयुक्त कार्यालय बारहद्वारी परसटटा बाजार हाथरस पर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी जी द्वारा भाजपा की मोदी सरकार को जाति जनगणना कराने के मुददे पर घुटने टेकने को बाध्य करने के लिए धन्यवाद सभा का आयोजन किया गया तदोपरांत राहुल गाँधी के लिये धन्यवाद जुलूस परसटटा बाजार, मोती बाजार, पत्थर बाजार, नजहाई बाजार, गुड़हाई बाजार, बूरामंडी, घण्टाघर से होते कार्यालय आकर जुलूस का समापन हुआ।

जुलूस में राहुल गाँधी जिन्दाबाद, काँग्रेस पार्टी जिन्दाबाद, झुकती है दुनिया झुकने वाला चाहिये, जाति जनगणना पर सरकार को झुकने वाले जननायक राहुल गाँधी का धन्यवाद, गरीबों की आवाज़ राहुल गाँधी जिन्दाबाद, दलितों की आवाज राहुल गाँधी जिन्दाबाद जैसे गगनभेदी नारों से शहर गूँज उठा।

धन्यवाद जुलूस में जिलाध्यक्ष विवेक उपाध्याय, शहराध्यक्ष योगेश कुमार ओके, पीसीसी अशोक कुमार गुप्ता,कन्हैया लाल शर्मा जी, हरिशंकर नेताजी, अवधेश बख्शी, अजीत गोस्वामी, प्रवक्ता डॉ मुकेश चन्द्रा, कोषाध्यक्ष संजीव आँधीवाल, जेपी पांडेय,सुरेश चन्द शर्मा, कैलाश भूमिधर, गिर्राज सिंह गहलोत, विनोद सहयोगी, चन्द्रभान सिंह, भूपेंद्र शर्मा, चाँद मौहम्मद, सारान कुरैशी,जितेंद्र शर्मा, ठाकुर कपिल सिंह,दीपक चौधरी,पबब मथुरा प्रसाद,भवेश नगायच, धर्मेंद्र गांधी, प्रमोद कुमार,भरत शर्मा,श्रीकृष्ण शर्मा,किशन गौतम, जैनुद्दीन जैन, सतीश कुशवाह, गोपाल यादव,सन्दीप चौधरी, सत्यप्रकाश रंगीला, गोपाली सिंह यादव, हरिशंकर गुरु,गोविन्द चतुर्वेदी, अमित सिंह, रोहित कुमार, हेमन्त कुशवाह,आदि काँग्रेसजन मौजूद रहे।

दि गौतम त्यागी सोसायटी एग्जीवेंशन रोड, रघुवीर पुरी, अलीगढ़

प्रबन्ध समिति निर्वाचन की अधिसूचना

दि गौतम त्यागी सोसायटी एग्जीवेंशन रोड, रघुवीर पुरी, अलीगढ़ द्वारा प्रबन्ध समिति का निर्वाचन सम्पन्न कराने हेतु मुझे कार्यकारिणी एवं साधारण सभा द्वारा निर्वाचन अधिकारी मनोनीत किया गया है। अतः निर्वाचन कार्यक्रम निम्नवत् प्रस्तुत है, और अनुरोध है कि साधारण सभा के सभी सदस्य कार्यक्रमानुसार नियत तिथियों में उपस्थित होकर निर्वाचन कराने हेतु सहयोग प्रदान कर अनुग्रहीत करें।

चुनाव कार्यक्रम

		दिनांक	दिन	समय
1.	सदस्यों की सूची का प्रकाशन	–17.05.2025	शनिवार	11:00 बजे
2.	सूची पर आपत्तियों का आमंत्रण	–17.05.2025	शनिवार	12:00 बजे
3.	आपत्तियों का निराकरण	–17.05.2025	शनिवार	01:00 बजे
4.	आपत्तियों के निराकरण के उपरान्त सदस्यों की सूची का अन्तिम प्रकाशन	–17.05.2025	शनिवार	02:00 बजे
5.	नामांकन	–18.05.2025	रविवार	10:00 बजे
6.	सदस्यों द्वारा किये गये नामांकन की जाँच अन्तिम प्रकाशन	–18.05.2025	रविवार	11:00 बजे
7.	प्रत्याशियों की सूची, नामांकन जाँच के बाद	–18.05.2025	रविवार	12:00 बजे
8.	मतदान यदि आवश्यक हुआ तो	–18.05.2025	रविवार	12:00 बजे–03:00 बजे तक
9.	चुनाव परिणाम की घोषणा मतदान के तुरन्त बाद	–18.05.2025	रविवार	04:00 बजे

भवदीय
(ललित कुमार सिंह)
निर्वाचन अधिकारी
दि गौतम त्यागी सोसायटी
एग्जीवेंशन रोड, रघुवीर पुरी, अलीगढ़

मई में कब मनाई जाएगी मोहिनी एकादशी? व्रत का महत्व

सनातन धर्म में एकादशी तिथि को अत्यंत पावन और प्रभावकारी माना गया है। हर महीने दो बार आने वाली एकादशी न केवल व्रत और उपवास की तिथि है, बल्कि यह आत्मचिंतन, प्रभु भक्ति और मोक्ष की ओर बढ़ने का अवसर भी है। वर्षभर में कुल 24 एकादशी होती हैं, और हर एकादशी भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित होती है।

इस बार वैशाख शुक्ल पक्ष की एकादशी है। इसे मोहिनी एकादशी भी कहा जाता है। यह एकादशी श्रीविष्णु के मोहिनी स्वरूप की आराधना का पावन पर्व है। मान्यता है कि इस व्रत को विधिपूर्वक करने से समस्त पापों का नाश होता है, जीवन में सुख-शांति आती है और मन की समस्त इच्छाएँ पूर्ण होती हैं।

कब है मोहिनी एकादशी?

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि आरम्भ - 7 मई, प्रातः 10.19 पर
वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि समाप्त - 8 मई, दोपहर 12.29 पर
उदया तिथि के अनुसार मोहिनी एकादशी का व्रत 8 मई को रखा जाएगा
पारण समय - 9 मई, प्रातः 5.34 से लेकर 8.16 तक

शुभ योग

इस वर्ष मोहिनी एकादशी के दिन भद्रवास योग बन रहा है, जो इस व्रत को और भी प्रभावशाली बनाता है। इस योग में किया गया व्रत और जप अनेक गुना पुण्य प्रदान करता है।

मोहिनी एकादशी का महत्व

सनातन धर्म में मोहिनी एकादशी को अत्यंत पुण्यदायक और मोह-माया से मुक्ति दिलाने वाली तिथि माना गया है। यह व्रत वैशाख शुक्ल पक्ष की एकादशी को पड़ता है और भगवान श्रीहरि विष्णु के मोहिनी रूप को समर्पित है।

मोहिनी नाम स्वयं संकेत करता है,यह वह दिव्य रूप है जिसमें भगवान विष्णु ने असुरों को मोह में डालकर देवताओं को अमृत प्रदान किया था। यह रूप सत्य की रक्षा और अधर्म के विनाश का प्रतीक है। शास्त्रों में वर्णन है कि त्रेता युग में भगवान श्रीराम ने भी इस एकादशी का व्रत रखा था। इसी व्रत की कृपा से उन्हें अनेक बाधाओं से मुक्ति और जीवन में विजय प्राप्त हुई। माना जाता है कि जो भी व्यक्ति श्रद्धा से इस दिन उपवास रखता है, प्रभु विष्णु की पूजा करता है और अपने आचरण में सात्विकता लाता है, उसे न केवल पापों से मुक्ति मिलती है, बल्कि जीवन की उलझनों और मोह के बंधनों से भी छुटकारा मिलता है। यह व्रत मन की शुद्धि, आत्मिक बल, और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग बनाता है। भक्त का चित्त भगवान की ओर उन्मुख होता है और वह सांसारिक भ्रमों से ऊपर उठकर परम सत्य से जुड़ता है।

पापियों की संगत, गंभीर पाप से मुक्ति दिलाता है मोहिनी एकादशी व्रत

वैशाख माह की मोहिनी एकादशी 8 मई को है. मोहिनी एकादशी का व्रत करने वालों के पापों का नाश, पुण्य का उदय, शरीर और मन की शुद्धि होती है. इस व्रत के प्रताप से व्यक्ति मानसिक, वाचिक, सांसारिक दुविधाओं से मुक्त हो कर लक्ष्मी-नारायण की भक्ति कर पाता है. शास्त्रों के अनुसार एकादशी व्रत के दौरान कथा का विशेष महत्व होता है. आइए जानते हैं मोहिनी एकादशी व्रत की कथा और एकादशी व्रत में कथा क्यों की जाती है, क्या है इसकी महिमा.

हिंदू धर्म के अनुसार व्रत के दौरान कथा का श्रवण जरुर किया जाता है. दरअसल पूजा के दौरान व्यक्ति कथा के जरिए उस व्रत का महत्व जान पाता है. महत्व जाने बिना व्रत का कोई अर्थ नहीं. वहीं कथा सुनने या पढ़ने वाला भगवान से संपर्क साधने में सक्षम हो पाता है. चूंकि एकादशी व्रतों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है इसलिए हर एकादशी की पूजा के दौरान व्रती को कथा पाठ जरुर करना चाहिए, इससे विष्णु जी की कृपा प्राप्त होती है.

महाभारत में कथा का वर्णन

एकादशी व्रत का वर्णन महाभारत की कथा में भी मिलता है. भगवान श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर और अर्जुन को एकादशी व्रत के महत्व के बारे में बताया था. चूंकि ये व्रत सभी व्रतों में कठिन और विशेष फलदायी माना गया है, इसीलिए इस व्रत का महत्व कई गुना बढ़ जाता है. वैशाख के महीने में एकादशी व्रत को विशेष माना गया है. एकादशी व्रत को रखने वालों को नियम का पालन करते हुए एकादशी व्रत कथा को अवश्य सुनना चाहिए. मान्यता है कि जो व्यक्ति एकादशी व्रत में कथा को पढ़ता या सुनता है उसकी सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, पापों से मुक्ति मिलती है.

मोहिनी एकादशी व्रत कथा

प्राचीन समय में सरस्वती नदी के किनारे भद्रावती नाम की एक नगरी में द्युतिमान नामक राजा राज्य करता था. उसी नगरी में एक वैश्य रहता था, जो धन-धान्य से पूर्ण था. उसका नाम धनपाल था. वह अत्यन्त धर्मात्मा और नारायण-भक्त था. वैश्य के पाँच पुत्र थे, जिनमें सबसे बड़ा पुत्र अत्यन्त पापी व दुष्ट था, वह वेश्याओं और दुष्टों की संगति में रहता था.

बुरी संगत में पापी बना बेटा

मद्यपान, जुआ आदि बुरे कर्मों में उसने अपने पिता का बहुत धन बर्बाद किया. जब काफी समझाने पर भी वह नहीं सुधरा तो उसके पिता ने उसे घर से निकाल दिया. वह अपने गहने और वस्त्रों को बेचकर अपना गुजारा करने लगा. धन खत्म हो जाने पर उसके दुष्ट साथी भी साथ छोड़कर चले गए. इसके बाद वह चोरी कर अपनी भूख को शांत करने लगा लेकिन एक दिन पकड़ा गया, हालांकि सिपाहियों ने वैश्य का पुत्र जानकर उसे छोड़ दिया. इसके बाद भी जब उसने चोरी करना नहीं छोड़ा तो राजा ने उसे कारागार में डलवा दिया.

झेलना पड़े तमाम कष्ट

कारावास में उसे बहुत कष्ट झेलना पड़ा, अंत में उसे नगर छोड़ने का आदेश मानना पड़ा. इसके बाद जानवरों को मारकर पेट भरने लगा. एक दिन भोजन की तलाश में वह कौटिन्य मुनि के आश्रम पहुंचा और उसने ऋषि से अपनी पीड़ा बताई. पाप से मुक्ति पाने के लिए ऋषि ने उसे वैशाख माह की मोहिनी एकादशी का व्रत करने को कहा. उसने विधि अनुसार ये व्रत किया, जिसके प्रताप से उसके सभी पाप नष्ट हो गये और अन्त में वह गरुड़ पर सवार हो विष्णुलोक को गया.

क्या श्री शिवाय नमस्तुभ्यं को जपना उचित है?

आजकल संतों की नहीं, कथा वाचकों की लोग सुनने लगे हैं। कथाओं को कहने का तरीका भी बदल गया है। वर्तमान में एक कथावाचक बहुत प्रसिद्ध हो चले हैं, जिनका नाम है पंडित प्रदीप मिश्रा। वे कहते हैं कि शिवजी का पंचाक्षरी मंत्र श्री शिवाय नमस्तुभ्यं है- इसका जप करना चाहिए। इसे वे महामृत्युंजय मंत्र से भी ज्यादा शक्तिशाली बताते हैं। क्या अब हम ऊँ नमः शिवाय को जपना छोड़ दें?

ऊँ नमः शिवाय या श्री शिवाय नमस्तुभ्यं श्री शिवाय नमस्तुभ्यं का अर्थ - श्री शिव मैं तुम्हें नमस्कार करता हूं।

ऊँ नमः शिवाय का अर्थ - ओंकार या ब्रह्म स्वरूप भगवान शिव को नमस्कार। कहते हैं कि ईश्वर के सभी स्वरूपों की उपासना के मंत्र ओम से ही प्रारंभ होते हैं। ऊँ या ओम के बगैर मंत्र अधूरा माना जाता है। नमः शिवाय ही पंचाक्षरी मंत्र है जिसके आगे ओम लगाने से उसकी पूर्णता होती है और शिवजी के साथ ही निराकार ब्रह्म (ईश्वर) भी जुड़ जाता है। शिवजी का एक स्वरूप शिवलिंग के रूप में निराकार भी है। अतः नमः शिवाय इस पंचाक्षरी मन्त्र में प्रणव यानी ऊँ लगाकर इसका जप करना ही उचित है। तस्य वाचकः प्रणवः ।।- तैत्तिरीयोपनिषद् 1.27 ॥ अर्थात उसका वाचक (नाम, इंगित करने वाला) प्रणव है। अस्य ओम नमः शिवाय पञ्चाक्षर मन्त्रस्य वामदेव ऋषिः अनुष्टुप् छन्दः श्री सदाशिवो देवता। अर्थात इस शिव पंचाक्षरमन्त्र के वामदेव ऋषि हैं, अनुष्टुप् छन्द है, सदाशिव देवता हैं)

जहां तक सवाल पंचाक्षरी मंत्र का है तो वह नमः शिवाय ही है जिसमें? लगाकर उसका जप किए जाने का ही उचित तरीका है। श्री शिवाय नमस्तुभ्यं पंचाक्षरी मंत्र नहीं है। हालांकि श्री शिवाय नमस्तुभ्यं मंत्र का जप भी किया जा सकता है क्योंकि भगवान को किसी भी तरीके या रूप में भजें वह आपके ही हैं। उल्लेखनीय है कि श्री शब्द माता लक्ष्मी का नाम है। शिवजी के नाम के आगे इसका उपयोग नहीं होता है।

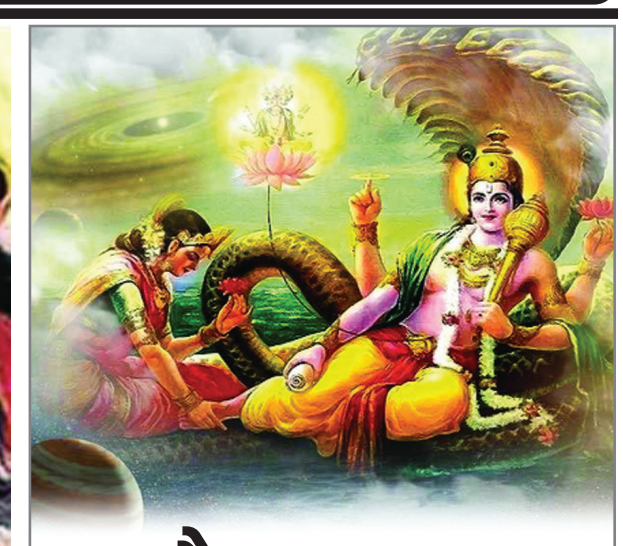

वैशाख शुक्ल एकादशी पर करें श्रीहरि की पूजा

वैशाख शुक्ल एकादशी के व्रत को मोहिनी एकादशी के नाम से जानते हैं. इस साल मोहिनी एकादशी का व्रत 8 मई के दिन रखा जाएगा. उस दिन द्विपुष्कर योग, सिद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं. विष्णु पूजा के समय सर्वार्थ सिद्धि योग बना होगा, जो आपके कार्यों को सिद्ध करने के लिए अच्छा योग माना जाता है. मोहिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरूप की पूजा कर सकते हैं, नहीं तो आप चाहें तो श्रीहरि की पूजा कर सकते हैं.

मोहिनी एकादशी व्रत की पौराणिक कथा

एक बार युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा कि वैशाख शुक्ल एकादशी के व्रत और पूजा की विधि क्या है? इस व्रत का महत्व क्या है? इस बारे में आप विस्तार से बताएं. इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि वैशाख के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोहिनी एकादशी के नाम से जानते हैं. महर्षि वशिष्ठ ने भगवान राम से जो इसकी कथा बताई थी, वह कथा आपको भी बताते हैं.

मोहिनी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के सभी पाप और दुख दूर हो जाते हैं. वह मोह और माया के बंधन से मुक्त हो जाता है. इसकी कथा कुछ इस प्रकार से है- भद्रावती नगर सरस्वती नदी के किनारे बसा था, जिस पर चंद्रवंशी राजा द्युतिमान शासन करता था. उसके राज्य में धनपाल नाम का एक वैश्य रहता था, जो धर्मात्मा था. वह भगवान विष्णु का परम भक्त था. उसने नगर में लोगों की सेवा के लिए जल का प्रबंध किया था, राहगीरों के लिए कई पेड़ लगाए थे. उसके पांच बेटे थे, जिनका नाम सुमना, सद्बुद्धि, मेधावी, सुकृति और धृष्टबुद्धि था. धृष्टबुद्धि पापी, अनाचारी, अधर्मी था. वह पाप कर्मों में लिप्त रहता था. उससे परेशान होकर धनपाल ने धृष्टबुद्धि को घर से निकाल दिया. बेघर और निर्धन होने पर उसके दोस्तों ने भी उसका साथ छोड़ दिया. उसके पास कुछ भी खाने पीने को नहीं था तो वह चोरी करके अपना गुजारा करने लगा. एक बार उसे पकड़ लिया गया, लेकिन धर्मात्मा पिता की संतान होने के कारण छोड़ दिया गया. दूसरी बार पकड़ा गया तो राजा ने उसे जेल में डाल दिया. बाद उसे नगर से ही बाहर निकाल दिया गया.

एक दिन वह भूख प्यास से परेशान होकर घूमते-घूमते कौडिन्य ऋषि के आश्रम में पहुंच गया. वह वैशाख का महीना था. ऋषि गंगा स्नान करके आए थे, उनके गीले वस्त्रों के छींटें उस पर पड़े. धृष्टबुद्धि को कुछ बुद्धि आई. उसने ऋषि कौडिन्य को प्रणाम किया और कहने लगा कि उसके बहुत पाप कर्म किए हैं. इससे मुक्ति का मार्ग बताएं.

ऋषि कौडिन्य को धृष्टबुद्धि पर दया आ गई. उन्होंने कहा कि वैशाख शुक्ल एकादशी को मोहिनी एकादशी का व्रत आने वाला है. इस व्रत को विधिपूर्वक करने से समस्त पाप नष्ट हो जाएंगे और तुम पुण्य के भागी बनोगे. उन्होंने मोहिनी एकादशी व्रत की पूरी विधि बताई. मोहिनी एकादशी के दिन उसने ऋषि के बताए अनुसार विधि विधान से व्रत किया और विष्णु पूजन किया. व्रत के पुण्य प्रभाव से वह पाप रहित हो गया. जीवन के अंत में वह गरुड़ पर सवार होकर विष्णु धाम चला गया. मोहिनी एकादशी के समान कोई श्रेष्ठ व्रत नहीं है. जो भी व्यक्ति मोहिनी एकादशी व्रत की कथा पढ़ता या सुनता है, उसे 1000 गोदान के समान पुण्य लाभ होता है.

पुराणों में छिपा है केदारनाथ और बद्रीनाथ का इतिहास और भविष्य

केदारनाथ और बद्रीनाथ में खूब विकास किया जा रहा है जबकि केदारनाथ की बाढ़ ने एक झटके में सारे विकास कार्य ध्वस्त कर दिए थे। क्या आने वाले समय में भी यही होने वाला है? पुराणों में छिपा है केदारनाथ और बद्रीनाथ का इतिहास और भविष्य। बद्रीनाथ चार बड़े धामों में से एक है। आओ जानते हैं दोनों ही तीर्थ स्थलों का इतिहास और भविष्य।

- बद्रीनाथ पहले भगवान शिव और पार्वती का निवास स्थान था। लेकिन जब विष्णु जी ने यह स्थान देखा तो इसे देखकर वे मंत्रमुग्ध जैसे हो गए और उन्होंने तब इस स्थान को अपना बनाने के लिए यहां पर बालरूप की लीला की और शिव एवं पार्वती जी से यह स्थान ले लिया।
- वर्तमान बद्रीनाथ के पहले आदि बद्रीनाथ तीर्थ स्थल हुआ करता था। इसे सबसे प्राचीन स्थान कहा जाता है जो उत्तराखंड के चमोली के कर्ण प्रयाग में स्थित है। यहां पर श्रीहरि विष्णु विराजमान है।
- केदारनाथ को जहां भगवान शंकर का आराम करने का स्थान माना गया है वहीं बद्रीनाथ को सृष्टि का आठवां वैकुंठ कहा गया है, जहां भगवान विष्णु 6 माह निद्रा में रहते हैं और 6 माह जागते हैं।
- केदार घाटी में दो पहाड़ हैं- नर और नारायण पर्वत। विष्णु के 24 अवतारों में से एक नर और नारायण ऋषि की यह तपोभूमि है। उनके तप से प्रसन्न होकर केदारनाथ में शिव प्रकट हुए थे। दूसरी ओर बद्रीनाथ धाम है जहां भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी।
- बद्रीनाथ का मंदिर यहां कब से है यह ठीक नहीं मालूम लेकिन जो मंदिर वर्तमान में हैं उसका निर्माण पन्द्रहवीं शताब्दी में रामानुजीय संप्रदाय के स्वामी बदराचार्य के कहने पर गढ़वाल के तत्कालीन नरेश ने कराया। मंदिर के बन जाने के बाद इंदौर की सुप्रसिद्ध महारानी अहिल्याबाई ने यहां स्वर्ण कलश और छत्री को चढ़ाया। अलकनंदा नदी तट पर स्थापित यह मंदिर 50 फीट ऊंचा है। भगवान के इस क्षेत्र में अनेक गुप्त एवं प्रकट तीर्थ माने जाते हैं।
- रामायण एवं महाभारतकाल से पूर्व भी केदार का अस्तित्व रहा, महर्षि वेदव्यास ने महाभारत के युद्ध में गोत्र हत्या एवं ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्ति के लिए पाण्डवों को केदार तीर्थ के दर्शन का उपदेश दिया था। उन्होंने कहा था कि ब्रह्मादि देवता भी शिव दर्शन के लिए केदार तीर्थ धाम की यात्रा करते हैं। आदि शंकराचार्य, विक्रमादित्य और राजा मिहिर भोज ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था।
- स्कंद पुराण में भगवान शंकर, माता पार्वती से कहते हैं, हे प्राणेश्वरी! यह क्षेत्र उतना ही प्राचीन है, जितना कि मैं हूं। मैंने इसी स्थान पर सृष्टि की रचना के लिए ब्रह्मा के रूप में परब्रह्मत्व को प्राप्त किया, तभी से यह स्थान मेरा चिर-परिचित आवास है। यह केदारखंड मेरा चिरनिवास होने के कारण भूस्वर्ग के समान है।
- **पुराणों में हैं उल्लेख** - पुराणों अनुसार भूकंप, जलप्रलय और सूखे के बाद गंगा लुप्त हो जाएगी और इसी गंगा की कथा के साथ जुड़ी है बद्रीनाथ और केदारनाथ तीर्थस्थल की रोचक कहानी।
- भविष्य में नहीं होंगे बद्रीनाथ के दर्शन, क्योंकि माना जाता है कि जिस दिन नर और नारायण पर्वत आपस में मिल जाएंगे, बद्रीनाथ का मार्ग पूरी तरह बंद हो जाएगा। भक्त बद्रीनाथ के दर्शन नहीं कर पाएंगे। पुराणों अनुसार आने वाले कुछ वर्षों में वर्तमान बद्रीनाथ धाम और केदारेश्वर धाम लुप्त हो जाएंगे और वर्षों बाद भविष्य में भविष्यबद्री नामक नए तीर्थ का उद्गम होगा।
- कहते हैं कि भविष्य में जब केदारनाथ और बद्रीनाथ लुप्त हो जाएंगे तब यही स्थान तीर्थ क्षेत्र होगा। यह स्थान भी चमोली में जोशीमठ के पास सुभैन तपोवन में स्थित है।
- यह भी मान्यता है कि जोशीमठ में स्थित नृसिंह भगवान की मूर्ति का एक हाथ साल-दर-साल पतला होता जा रहा है। जिस दिन यह हाथ लुप्त हो जाएगा उस दिन ब्रद्री और केदारनाथ तीर्थ स्थल भी लुप्त होना प्रारंभ हो जाएंगे।
- चार धाम में से एक बद्रीनाथ के बारे में एक कहावत प्रचलित है कि जो जाए बदरी, वो ना आए ओदरी। अर्थात जो व्यक्ति बद्रीनाथ के दर्शन कर लेता है, उसे पुनः उदर यानी गर्भ में नहीं आना पड़ता है। मतलब दूसरी बार जन्म नहीं लेना पड़ता है। शास्त्रों के अनुसार मनुष्य को जीवन में कम से कम दो बार बद्रीनाथ की यात्रा जरूर करना चाहिए।

संपादकीय

आतंकवाद की जड़ पर प्रहार जरूरी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरा देश आक्रोशित है। सरकार ने इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जिसमें सभी राजनीतिक पार्टियों ने दलगत भावना से ऊपर उठकर सर्वसम्मति से सरकार का समर्थन किया और यह भरोसा दिलाया कि आतंकवाद के खिलाफ केन्द्र सरकार जो भी कार्यवाही करेगी उसमें हम अपना समर्थन देंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी कहा कि विपक्ष का सरकार को पूरा समर्थन है। सरकार आतंकवाद के खात्मे के लिए कड़े से कड़े कदम उठाये। यहां तक प्रधानमंत्री और भाजपा का हमेशा विरोध करने वाले अस्सुद्दीन ओवैसी ने भी आतंकवाद के खिलाफ की जाने वाली कार्यवाही का समर्थन किया। उन्होंने तो पहलगाम में आंतक मचाने वाले की आतंवादियों के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली और उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की मांग भी की। कुल मिलाकर आतंकवाद के खिलाफ आज पूरा देश एकजुट है। अब यह केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आतंकवाद की जड़ पर प्रहार करे। इस मामले में न सिर्फ देश एकजुट है बल्कि दुनिया के तमाम देश भी भारत के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को भरोसा दिलाया है कि भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस करने वाले देश के दुश्मनों को बख्शा नहीं जाएगा। आतंकवादियों को ऐसी कड़ी सजा दी जाएगी जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान है। इसलिए अब यह आवश्यक हो गया है कि पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाया जाये। भारतीय सेना पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए तैयार है किन्तु केन्द्र सरकार जल्दबाजी में ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहती जिसका भारत पर भी प्रभाव पड़े। पाकिस्तान के खिलाफ जंग अंतिम विकल्प है। देर सवेर भारत इस अंतिम विकल्प पर भी विचार जरूर करेगा और पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाएगा कि उसकी सात पुश्तें इसे याद रखेंगी। फिलहाल भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक कदम उठायें हैं और इसी से पाकिस्तान सकते में आ गया है। सिंधु जल समझौता स्थगित करने का फैसला लेकर भारत ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिये हैं इससे बौखलाकर पाकिस्तान ने बयान दिया है कि सिंधु जल समझौता यदि खत्म किया जाता है तो इसे भारत और पाकिस्तान के बीच जंग के आगाज के रूप में देखा जाएगा। किन्तु भारत ने अब पाकिस्तान के खिलाफ हर मोर्चे पर आर पार की लड़ाई लडऩे का दृढ़ निश्चय कर लिया है। हालांकि भारत अभी भी अपनी इस नीति पर कायम है कि हमारी ओर से पहली गोली नहीं चलाई जाएगी और यदि पाकिस्तान ने ऐसी हिमाकत की तो भारत की ओर से गोलियों की ही नहीं बल्कि गोलों की भी गिनती नहीं की जाएगी। पाकिस्तान के हुक्मरान डरे हुए हैं उन्हें लग रहा है कि भारत कभी भी उसके खिलाफ जंग छेड़ सकता है यही वजह है कि पाकिस्तान में सेना को अलर्ट कर दिया गया है और पाकिस्तान जो विश्व मंच पर अलग थलग पड़ चुका है वह चीन के सामने मदद की गुहार लगाते हुए गिड़गिड़ा रहा है किन्तु भारत को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता की कौनसा देश पाकिस्तान की हिमायत में सामने आता है। भारत आज दुनिया में एक बड़ी ताकत बन चुका है और वह अकेले अपने दम पर दुश्मनों से मुकाबला करने और उन्हें नेस्तनाबूत करने में सक्षम है।

पहलगाम आतंकी हमला के हमास-आईएसआई कनेक्शन को समझिए और दक्षिणी रणनीति को भेदिये!

देखा जाए तो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले ईसाई समुदाय ने दूसरी बड़ी आबादी मुस्लिम समुदाय को निबटाने के लिए आतंकवाद प्रोत्साहन जैसी अनोखी पहल की है, जिसके तहत अरब देश आपस में ही संघर्षरत हैं। इसके अलावा पड़ोसी मुस्लिम देश और अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी वाले गैर मुस्लिम देश भी इनकी जद में आ चुके हैं। भारत उनमें से एक है। इधर ईसाईयों और यहूदियों के चालों से सजग मुस्लिम देशों व उनके संगठनों ने काफ़िर मुक्त विश्व का सपना देखा है, जिसमें गैर मुसलमानों के लिए कोई जगह नहीं है। उनकी इस नापाक सोच से भी भारत के हिन्दू सबसे ज्यादा पीड़ित हैं।

कमलेश पांडेय

कहीं अमेरिका, कहीं चीन, कहीं रूस, कहीं ब्रिटेन आदि की शह पर फलफूल रहा इस्लामिक आतंकवाद अब एक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा बन चुका है, जो हथियार-गोलाबारूद और सुरक्षा उपकरण निर्माता पूंजीवादी ताकतों को बेहद रास आ रहा है। ऐसा इसलिए कि हर विध्वंस के बाद होने वाले निर्माण से भी किसी न किसी रूप में पूंजीवादियों के ही कारोबार बढ़ते हैं। अलबत्ता शांतिप्रिय और प्रगतिशील देशों को इन वैश्विक षड्यंत्रों से निपटने के बारे में मौलिक रूप से सोचना होगा और जवाबी एहतियाती कार्रवाई करनी होगी, ताकि इनके नापाक मंसूबे कभी भी सफल नहीं हो सकें और ये आपस में ही लड़-भीड़ कर खत्म हो जाएं।

देखा जाए तो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले ईसाई समुदाय ने दूसरी बड़ी आबादी मुस्लिम समुदाय को निबटाने के लिए आतंकवाद प्रोत्साहन जैसी अनोखी पहल की है, जिसके तहत अरब देश आपस में ही संघर्षरत हैं। इसके अलावा पड़ोसी मुस्लिम देश और अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी वाले गैर मुस्लिम देश भी इनकी जद में आ चुके हैं। भारत उनमें से एक है। इधर ईसाईयों और यहूदियों के चालों से सजग मुस्लिम देशों व उनके संगठनों ने काफ़िर मुक्त विश्व का सपना देखा है, जिसमें गैर मुसलमानों के लिए कोई जगह नहीं है। उनकी इस नापाक सोच से भी भारत के हिन्दू सबसे ज्यादा पीड़ित हैं।

कहना न होगा कि पहले औद्योगिक क्रांति और अब सूचना क्रांति से पैदा हुए पूंजीवाद के ऊपर सवार होकर ये जज्बातें दुनिया के एक बड़े भूभाग को तबाह किए हुए हैं7 पहले इंग्लैंड, फिर अमेरिका, उसके बाद रूस और अब चीन की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं ने इस कदर नैतिक-अनैतिक और प्रतिशोधी रूप में कट्टर इस्लाम मतावलम्बियों का सशत्र दुरूपयोग किया कि अब ये लोग भी दो-चार धड़ों में विभाजित हो चुके हैं और परस्पर खून-खराबे पर उतारू हैं। ऐसे में भारत की गुटनिरपेक्षता, उदारता और विश्वबंधुत्व की भावना ही उसके गले की हड्डी बन चुकी है।

यही वजह है कि जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तुलना अब 7 अक्तूबर 2023 को इजरायल पर हुए हमले से की जा रही है, जो अनायास नहीं है बल्कि इनके बीच कुछ लौकिक साम्यताएं भी दिखाई पड़ी हैं। पहलगाम आतंकी हमले वाले दिन पर यदि गौर करें तो इजरायल पर हमले से पहले हमास नेताओं की तरह ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने इस आतंकी हमले से कुछ दिन पहले आतंकवादी समूहों को उकसाने के लिए जानबूझकर सांप्रदायिक हिंसा को भड़काने की कोशिश की थी। तब जनरल मुनीर इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानी कन्वेंशन (हृक्क्ष्ट) में भीड़ के सामने खड़े हुए और कश्मीर को पाकिस्तान की ÷गले की नस÷ बताते हुए विवादास्पद 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' का हवाला दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने हिंदू-मुसलमान कार्ड भी खेला और पाकिस्तानियों को हिदुस्तानियों से अलग बताया।

इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि आखिर अरब आतंकवादी/उग्रवादी संगठन हमास की राह पर ही क्यों चल रही है पाकिस्तानी सेना और इसके क्या-क्या दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं? कहना न होगा कि इस समय पाकिस्तानी सेना का हाल लगभग वैसे ही है, जैसे 7 अक्तूबर 2023 के हमले के वक्त हमास का था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बढ़ते हमले, बलूचिस्तान में बढ़ते विद्रोह और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में बंद होने के बीच राजनीतिक अस्थिरता ने जनरल मुनीर की सत्ता पर पकड़ को नाटकीय रूप से कमजोर कर दिया है।

पाकिस्तानी सेना के जनरल चुपचाप मुनीर के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। ऐसे में जनरल मुनीर को कश्मीर मुद्दे को हाईलाइट कर पाकिस्तानियों का ध्यान भटकाने की जरूरत थी। ठीक वैसे ही हमास ने भी गाजा के कुप्रबंधन से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इजरायल पर हमला किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कम से कम जनता की भावना उसके पक्ष में हो।

ऐसे में यह समझना बेहद जरुरी है कि इस मुताल्लिक गढ़ी गई आईएसआई की ÷दक्षिणी रणनीति÷ क्या है और भारत पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? क्योंकि 26/11 मुंबई हमलों के सूत्रधार तहव्वुर राणा के आसन्न प्रत्यर्पण ने जनरल मुनीर की कमजोरी को और बढ़ा दिया, जिससे आतंकवाद में पाकिस्तानी सेना की दशकों पुरानी मिलीभगत उजागर होने का खतरा पैदा हो गया है। खुफिया सूत्रों ने संकेत दिया कि आईएसआई ने कश्मीर में नए घुसपैठ की सावधानीपूर्वक तैयारी शुरू कर दी थी। जम्मू के सामने लॉन्च पैड पर लगभग 100 आतंकवादी जमा थे, जो पाकिस्तानी आईएसआई की भयावह ÷दक्षिणी रणनीति÷ के लिए तैयार थे। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुई भयावह परिस्थियों के बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आतंकवादियों को वित्त पोषण देने की तीन दशकीय रणनीति भी स्वीकार की है, जिससे भारत और ज्यादा सजग और आक्रामक हुआ है।

सीधा सवाल है कि आखिर पहलगाम हमले का हमास से क्या संबंध है? तो यहाँ पर यह जानना जरुरी है कि जब 22 अप्रैल 2025 की दोपहर को पहलगाम की सुंदर बैसरन घाटी की सुंदरता का आनंद ले रहे पर्यटकों पर चार से पांच आतंकवादियों ने हमला किया था, तो इस दौरान उन्होंने पर्यटकों से इस्लामिक आयतें पढ़ने को कहा, और ऐसा नहीं करने वालों को तुरंत गोली मार दी। बता दें कि यह यहूदी नागरिकों के खिलाफ हमास के इस्तेमाल किए गए धर्म आधारित हमले का नकल था। जिसमें हमलावरों ने अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया, जिसमें अमेरिकी निर्मित एम4 कार्बाइन और एके-47 असॉल्ट राइफलें थीं, जो पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों की पहचान है।

इससे ही जुड़ा हुआ सवाल यह है कि क्या कश्मीरी आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैय्यबा ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर यह साजिश रची, तो जवाब यही होगा कि हाँ, इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (ञ्जक्रस्न) ने ली, जो लश्कर-ए-तैयबा (रुढ्ढञ्ज) का एक प्रॉक्सी संगठन है। टीआरएफ को पाकिस्तान की आईएसआई ने अनुच्छेद 370 के बाद जानबूझकर वैश्विक आतंकवाद विरोधी निगरानी संस्था एफएटीएफ की जांच से बचने के लिए बनाया था। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 7 अक्टूबर 2023 से पहले हमास की इसी तरह की ऑनलाइन लामबंदी रणनीति के समानांतर टीआरएफ की एन्क्रिप्टेड डिजिटल भर्ती पर बारीकी से नज़र रखी थी, जिससे यह सबकुछ संभव हो पाया।

आखिर में सवाल यह भी है कि पहलगाम हमले का खास उद्देश्य क्या था और क्या आतंकवादी अपने ध्येय में सफल रहे तो यहाँ पर यही कहना उचित होगा कि यह हमला हमास के हमले से भयावह समानता रखता है, जिसमें प्रतीकात्मक स्थानों पर नागरिकों को निशाना बनाना शामिल था। इसका उद्देश्य न केवल मारना था बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से कश्मीर की अर्थव्यवस्था को तबाह और अस्थिर करना था। जिस तरह हमास ने दक्षिणी इजरायल में शांति के प्रतीक एक संगीत समारोह को निशाना बनाया, उसी तरह द रेजिस्टेंस फ्रंट ने कश्मीर के पुनरुत्थान और सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक पहलगाम पर जानबूझकर हमला किया। कश्मीर में रिकॉर्ड पर्यटन हुआ था, जिसे आतंकवादियों ने पटरी से उतारने की कोशिश की। इस प्रकार आतंकवादी अपने क्षणिक उद्देश्य में सफल रहे, जबकि भारतीयों का धैर्य उन्हें लम्बी रणनीतिक मात देगी7

ऐसा इसलिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान को भारत की जवाबी सैन्य कार्रवाई का डर सता रहा है। इस कारण पाकिस्तान ने भारत से लगी सीमा पर न सिर्फ सैनिकों की तैनाती को बढ़ा दिया है, बल्कि भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद को जमा किया है। बताया जा रहा है कि पहलगाम हमले की साजिश पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने मिलकर रची थी, जिसकी अब उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत अब यह समझ चुका है कि लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। इसलिए वह धैर्य पूर्वक ठोस कार्रवाई करेगा, ताकि भारत को ज्यादा क्षति नहीं उठानी पड़े।

इधर, भारतीय भी अब यह समझ चुके हैं कि दुनिया की तीसरी बड़ी आबादी हिन्दुओं को दबाए रखने और उन्हें समाप्त किए जाने का अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र सदियों से चल रहा है। इसलिए वो अपनी जातीय कमजोरियों को तिलांजलि देंगे और मजबूती पूर्वक बदला लेंगे। हिन्दू अब यह बात भी जानने-समझने में लगे हुए हैं कि आसेतु हिमालय यानी हिमालय से दक्षिण में अफगानिस्तान से म्यांमार तक, जो प्राचीन सनातनी यानी हिन्दू भूमि रही है, इसे यदि विदेशी आक्रांताओं व उनके मूल वंशजों को बाहर नहीं किया गया तो ये अमनचैन से जीने नहीं देंगे। आज नहीं तो कल भारत हिन्दू राष्ट्र भी बन जायेगा। लेकिन अब हिंदुस्तान में पाकिस्तान प्रवृत्ति विरोधी राजनीति गति पकड़ेगी और वक्त ऐसा प्रधानमंत्री पैदा करेगा जो पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बंगलादेश के अलावा उन सभी पड़ोसियों को भारत में मिला देगा जो भारत विरोधी भाषा बोलेगा।

भारत के लिए यह मुश्किल कार्य नहीं है, बल्कि इस हेतु सेना और पुलिस को नए सिरे से प्रतिबद्ध बनाने की जरूरत है। उससे पहले राजनीतिक माहौल बदलने की आवश्यकता है। आईएसआई की दक्षिण रणनीति को इससे बेहतर जवाब कुछ हो ही नहीं सकता। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

ललित गर्ग

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात् दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया।

आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा 'माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।' इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए। आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है। आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की।

उद्योगों के रसायनयुक्त प्रदूषित पानी से खेत सूखे, गांव उजड़े

हरीश शिवनानी

मरुधरा के अनेक गाँव विकास का कहर झेल रहे हैं। यह बात उनके गाँवों और उनकी ज़िंदगी पर पूरी तरह साबित हो रही है कि विकास अपने साथ विनाश ज़रूर लाता है। इस कहर के चलते पश्चिमी राजस्थान के गांवों के ग्रामीण अपनी जान हथेली पर रखकर जीने को मजबूर हैं। विडंबना यह है कि उनकी जान के लिए कहर वही नदी बन गई है जो सदियों तक उनके लिए जीवनदायिनी थी। मारवाड़ की मरु गंगा कहलाने वाली लूणी नदी और उसकी सहायक नदी जोजरी लंबे समय से प्रदूषण और अतिक्रमण की चपेट में हैं। पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े शहर जोधपुर और निकटवर्ती बालोतरा ज़िले के कई गांव जोजरी में छोड़े जा रहे औद्योगिक कचरे से जल प्रदूषण की चपेट में आ गए हैं। इन गांवों के खेत सूख रहे हैं, मवेशी मर रहे हैं और ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। गांव-गांव में दुर्गंध, बीमारियां और ख़ौफ फ़ैलता जा रहा है। करीब 83 किलोमीटर लंबी जोजरी लूणी की सहायक मौसमी नदी है, जो नागौर के पंदलू गांव से निकलकर जोधपुर होते हुए कल्याणपुर से बालोतरा के पास तिलवाड़ा में लूणी नदी में मिलती है।

जोजरी नदी में जोधपुर के औद्योगिक इलाके की कई इंडस्ट्रीज का वेस्टेज आता है। इनमें स्टील और टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज का तेजाबी और केमिकल युक्त पानी भी शामिल है। जोधपुर की वैध के अलावा अवैध फैक्ट्रियां टेक्सटाइल के कैमिकल युक्त पानी को नदी में छोड़ देती हैं। नदी में बह रहे इस खतरनाक रसायन की जद में सालावास, नंदवान, राजेश्वर नगर, मेलबा, डोली और कल्याणपुर गांव के ग्रामीण त्रस्त हैं। करीब 40-50 किलोमीटर तक इस पानी के आसपास की जमीनें बंजर हो रही हैं। जोधपुर में लगभग 250 कपड़ा उद्योग हैं। जोधपुर के कपड़ा उद्योग ज्यादातर स्क्रीन प्रिंटिंग प्रक्रियाओं से संबंधित है। 60 प्रतिशत उद्योगों में तैयार उत्पाद मुद्रित कपड़े हैं, जबकि 40 प्रतिशत में रंगे और प्रक्षालित कपड़े हैं। इस क्षेत्र में अन्य औद्योगिक इकाइयां सीमेंट, औद्योगिक गैसों, वस्त्र, ग्वारगम, रसायन, प्लास्टिक, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, खनिज आधारित आदि के निर्माण में लगी हुई हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार नदी में प्रतिदिन 180 एमएलडी प्रदूषित अपशिष्ट छोड़ा जाता है। जोजरी में आ रहे इस केमिकल युक्त प्रदूषित पानी जोधपुर और बालोतरा ज़िले के पचास से ज़्यादा गांव-ढाणियों के लोगों, उनके खेतों और पशुधन को प्रभावित कर रहा है। इनमें धवा, मेलबा, लोनावास, कल्याणपुर, आरबा और डोली, राजेश्वर नगर और दूदावता जैसे गांवों में लोग जोजरी नदी से बहते काले और बदबूदार पानी से बेहाल हैं। यह ज़हरीला पानी खेतों में भरकर किसानों की फसलें नष्ट कर रहा है और बीमारियां फैला रहा है। उद्यमियों का कहना है कि ज़्यादा समस्या इसलिए है क्योंकि जोधपुर के सीईटीपी (इंडस्ट्रीज़ के पानी का ट्रीटमेंट प्लांट) की कैपेसिटी कम है। जोधपुर में अभी दो सौ एमएलडी क्षमता के सीईटीपी प्लांट की आवश्यकता है। जोधपुर के रीको इंडस्ट्रियल एरिया में क़रीब दो हजार फैक्ट्रियां हैं। एम्स अस्पताल का पानी भी रीको ड्रेन से होकर जोजरी नदी में मिल जाता है।जोजरी नदी में दो तरह का गंदा पानी जा रहा है, बिना ट्रीटमेंट के इंडस्ट्रीज़ का पानी और सीवर का पानी। यहाँ की टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज़ में कई तरह की डाइ पाई गई है तो स्टील इंडस्ट्रीज़ से कॉपर, क्रोमियम,बैटरी से कैडमियम। जोधपुर से गुजरते समय इतनी बड़ी मात्रा में घरेलू और इंडस्ट्रियल अपशिष्ट छोड़ा जाता है, जिससे नदी में बहाव शुरू हो जाता है। जोधपुर के अधिकांश उद्योग अपने अपशिष्ट जल को बिना किसी उपचार के सीधे नालियों के माध्यम से जोजरी नदी में बहा रहे हैं। लंबे समय तक अपशिष्ट छोड़ने से अपने बहाव क्षेत्र को छोड़कर तीन किलोमीटर पूर्व में बहने लगी इस विषैले पानी की वजह से जल स्रोत, कुएं-तालाब, स्कूल,अस्पताल, तक भी दूषित चुके हैं। हालांकि उद्योगों का प्रदूषित पानी लगभग डेढ़ दशक से बहाया जा रहा है। लेकिन तीन -चार साल से यह समस्या गहराती जा रही है। जैसे-जैसे प्रदूषित पानी की समस्या बढ़ी है, तो उसका प्रभाव स्कूलों में बच्चों के नामांकन पर भी हुआ है। स्कूलों में बच्चों की संख्या घटने लगी है। जो बच्चे हैं वो दुर्गंध से खांसते रहते हैं, बीमार रहते हैं। रात में गांव गैस के चैंबर बन जाते हैं। घरों में दरारें आ गई हैं और पानी के टांके से गंदा पानी निकल रहा है। जिन घरों के पास ये पानी बहता है, वहां दीवारों और फ़र्श में दरारें आ चुकी हैं।

जोजरी में फैल रहे ज़हर को लेकर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,जोधपुर के केमिस्ट्री विभाग की वंदना कछवाहा, गरिमा शर्मा, प्रिया तंवर और पल्लवी मिश्रा ने 'एसेसमेंट ऑफ़ वाटर क्वालिटी इंडिसेज़ ऑफ़ हैवी मेटल पॉल्यूशन इन जोजरी रिवर' पर शोध किया है। उनकी रिपोर्ट में कहा गया है कि जोजरी नदी के सिंचाई के लिए उपयोग किए जाने वाले औद्योगिक अपशिष्ट पानी में सीसा, क्रोमियम और कैडमियम की उच्च सांद्रता आसपास रहने वाले लोगों में सांस संबंधी विकार, लीवर, गुर्दा, तंत्रिका संबंधी समस्याएं, पेट संबंधी समस्याएं और कैंसर का कारण बन सकती हैं, जो इस पानी से उगाई गई सब्जियां, अनाज और दालें खा रहे हैं। मनुष्य के अलावा इसका नकारात्मक प्रभाव पशुओं पर भी पड़ रहा है। जोजरी के विषैले पानी में नाइट्रेट की मात्रा बहुत ज़्यादा है। ये नाइट्रेट पानी या चारे के माध्यम से पशुओं के पेट में जाता है जो नाइट्राइट बनता है जिससे पशुओं की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, उनकी ऑक्सीजन ग्रहण करने की क्षमता भी बेहद कम हो जाती है जिसका प्रभाव पशु के जीवन चक्र पर पड़ता है वो कई बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। उनके खुर सड़ने लगते हैं। पशु प्रदूषित पानी पीने को मजबूर हैं। इसके कारण कई पशुओं की मौत भी हो चुकी है। केमिकल युक्त पानी से रोहिड़ा, खेजड़ी जैसे सैकड़ों पेड़ सूख गए हैं। प्रदूषित पानी से गाँवों में किसानों की खेती उजड़ने लगी है, पेड़ सूखने लगे हैं । खेतों में सफेद परत जम चुकी है और उपजाऊपन कम हो रहा है। फसलों में विषाक्त अवयवों की अधिकता पाई जा रही है इससे ज़मीन भी बंजर होती जा रही है। डोली गाँव की भूमि कई स्थानों पर औद्योगिक अपशिष्टों से भर गई है इससे खेती की जमीन खराब हो रही है। क्षेत्र में ताजे पानी के स्रोत जैसे कुएं, तालाब और भूजल प्रदूषित हो गए हैं और अब उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं हैं। वे अपने मवेशियों के नहाने और पीने के लिए पानी की कमी से भी पीड़ित हैं। इन सब हालात में करीब आधा दर्जन से ज्यादा लोग गांव से पलायन कर गए हैं। अराबा दुदावता गांव में कई परिवार अपना घर भी छोड़कर जा चुके हैं।

हालांकि इस समस्या के समाधान के लिए बजट में 176 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है लेकिन यह नाकाफ़ी है। जोजरी नदी का दूषित पानी से जैव विविधता भी नष्ट होने लग गई है। धवा और डोली गांव सहित आसपास के क्षेत्र में पहले बड़ी संख्या में चिंकारा, नीलगाय, खरगोश, पोक्योपाइन, रेगिस्तानी लोमड़ी और कुछ अन्य दुर्लभ रेगिस्तानी सरीसृप रहते थे। लेकिन अब उनके जीवन पर जोजरी नदी के दूषित पानी की वजह से संकट पैदा हो गया। वन्यजीवों की संख्या में भी गिरावट आई हैं। भारत के विलुप्त होते जा रहे जानवरों में से एक काला हिरण और अन्य वन्यजीव निवास स्थान डोली और अराबा गांव के बीच एनीकट के पास देखे गए थे, जो दूषित अपशिष्ट जल के कारण खतरे में हैं। ऐसे में समय रहते अगर सरकार और स्वयं उद्यमियों ने कदम नहीं उठाए तो स्थिति ज़्यादा भयावह हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

23 मई को राम मंदिर के प्रथम तल पर होगी राम दरबार की स्थापना, दर्शन के लिए जारी होंगे 50 पास

लखनऊ , एजेंसी। भवन निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक शुरु हो गई है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुख्य मंदिर के प्रथम तल में राम दरबार की प्रतिमा और शेषा अवतार मंदिर की प्रतिमाएं आनी शेष है।

23 मई को राम दरबार की प्रतिमा राम मंदिर गर्भगृह में स्थापित की जाएगी। 30 मई से पहले शेषा अवतार मंदिर में भी लक्ष्मण जी की प्रतिमा को स्थापित कर दिया जाएगा। 3 जून से राम मंदिर में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा शुरु होगी। तीन से पांच जून तक प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव होगा। राम दरबार में श्रद्धालुओं के दर्शन की तिथि ट्रस्ट तय करेगा। पास के जरिए एक दिन में 750 श्रद्धालु राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार का दर्शन कर सकेंगे। प्रति घंटे 50 पास जारी किए जाएंगे। पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर पास जारी होगा।

उन्होंने कहा कि शुरुआती 3 महीने में मंदिर का लोड फैक्टर चेक किया जाएगा। रुड़की के वैज्ञानिकों के द्वारा मंदिर के मापदंड को देखते हुए प्रति घंटे 50 श्रद्धालुओं को ऊपर जाने की अनुमति दी गई है। बताया कि राम मंदिर में 10 सेंसर लगाए गए हैं। सेंसर पत्थरों के मूवमेंट की जानकारी देते हैं। भूकंप में भी सेंसर पहले ही संकेत करते हैं। सेंसर के जरिए तीन माह में मंदिर पर पड़ने वाले लोड का अध्ययन किया जाएगा। राम मंदिर की बाउंड्री और ऑडिटोरियम को छोड़कर मंदिर परिसर में सभी निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरे हो जाएंगे।

आगरा में दिनदहाड़े स्वर्णकार की गोली मारकर हत्या, एक्टिवा से आए हमलावर

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र के कारगिल चौराहे पर बालाजी ज्वेलर्स की दुकान में बदमाशों ने धावा बोल दिया। यहां से सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। इस दौरान सराफ भी बदमाशों से भिड़ गए। बदमाशों ने तमंचे से सराफ को गोली मार दी। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। सराफ को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिकंदरा थाना क्षेत्र के रामा एंक्लेव निवासी योगेश चौधरी की कारगिल चौराहे के पास बालाजी ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। सुबह 10ः00 बजे उनके कर्मचारी रेनू ने दुकान खोली थी। इसके 15 मिनट बाद ही दो नकाबपोश बदमाश मौके पर आ गए। कर्मचारी रेनू को तमंचा दिखाकर बैग में सोने चांदी के जेवरात रखकर भागने लगे। इस दौरान दुकान मालिक योगेश चौधरी आ गए। उन्होंने बदमाशों को टोक दिया। इस पर एक बदमाश ने तमंचा निकालकर गोली मार दी। इसके बाद एक्टिवा पर सवार होकर फरार हो गए। पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

मुठभेड़ में लुटेरा घायल, पुलिस पर फायरिंग का किया प्रयास, बिजली कर्मचारियों से कई थी लूटपाट

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के परीक्षितगढ़ पुलिस ने मुठभेड़ में एक आरोपी पैर में पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ है। बताया गया कि पुलिस द्वारा बिजली के तार की लूट के मुकदमे में माल की बरामदगी कराने के लिए जाते समय अभियुक्त द्वारा छिपाए हुए तमंचे से पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। शातिर अपराधी बिलाल को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है। कब्जे से तार काटने की आरी, तमंचा, कारतूस व घटना में प्रयुक्त पिक-अप वाहन व हाईटेंशन तार बरामद किए है। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि 24 अप्रैल को रात्रि में अहमदपुरी में बिजली की साइट से दो मजदूरों से मारपीट कर कुछ बदमाश बिजली का हाईटेंशन वायर लूट ले गए थे ।

तराई... बुंदेलखंड व पश्चिमी यूपी के जिलों में बारिश, वज्रपात और ओले गिरने का भी पूर्वानुमान

झूम कर बरसे बदरा, तीन घंटे हुई झमाझम बारिश, जनजीवन प्रभावित

मेरठ , एजेंसी । पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इन दिनों मौसम बदला हुआ है । मेरठ में आज सुबह सवेरे तेज आंधी के साथ शुरू हुई बारिश का दौर करीब तीन घंटे तक लगातार चलता रहा । बारिश के चलते हाईवे से लेकर शहर तक जगह-जगह जल भराव हो गया7 तेज हवा के साथ बदरा झमाझम बरसाते रहे । सुबह के समय अंधेरा छा गया और हाईवे पर भी लाइट जलाकर वाहन स्वामियों को चलना पड़ा । वहीं मेरठ के अलावा आसपास के जिलों में भी जमकर बारिश हुई है । वेस्ट यूपी में मौसम विभाग ने दो दिन पहले ही बारिश और तेज आंधी तूफान का अलर्ट जारी कर दिया था । शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे तेज आंधी और बारिश के साथ मौसम बदल गया । देखते ही देखते तेज बारिश शुरू हो गई । हवा के झोंके के साथ मौसम में नमी बढ़ गई और गर्मी का असर खत्म हो गया । करीब तीन घंटे तक झमाझम बारिश से मौसम ने फिर से एक बार करवट बदल ली । बारिश के चलते जहां जनजीवन प्रभावित हो गया वहीं लोगों को गर्मी से भी राहत मिली है । मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर यूपी शाही का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते तेज आंधी और बारिश से मौसम बदला है और तापमान में भी गिरावट आई है । यह बारिश प्रदूषण को भी साफ करेगी और तापमान को भी कम कर देगी जिस कारण से लोगों को गर्मी से राहत रहेगी । साथ ही फसलों के लिए भी यह बारिश अच्छी होगी । अगर पछेते गेहूं की फसल खेत में खड़ी होगी तो वहां पर थोड़ा नुकसान होने के आसार हैं । अभी शनिवार तक मौसम के ऐसे ही रहने की संभावना बनी हुई है ।

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में तेज हवाओं संग बूंदाबांदी का दौर जारी है। शुक्रवार को दिल्ली से सटे जिलों और तराई के इलाकों में गरज-चमक संग बूंदाबांदी देखने को मिली। बुंदेलखंड के इलाकों समेत सहारनपुर, लखीमपुर खीरी से लेकर हरदोई तक हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। वहीं लखनऊ में भी सुबह से बादल छाए रहे। झोंकेदार हवाओं के साथ मौसम में नमी बनी हुई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पूर्वा और पश्चिमी हवाओं का समागम और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ शनिवार से पूरे प्रदेश को अपने दायरे में लेगा। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमीयुक्त हवाओं का भी प्रभाव है। इसके असर से प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी दोनों संभाग में हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिलेगी। इस दौरान कुछ जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार धूल भरी हवाएं चलने की भी संभावना है। बारिश और हवाओं के असर से अधिकतम तापमान में थोड़ी गिरावट के आसार हैं।

लखनऊ में बूंदाबांदी के आसार

लखनऊ में बीते चार दिनों में अधिकतम पारे ने लगभग 8 डिग्री सेल्सियस का गोता लगाया है जो सामान्य से लगभग 5 डिग्री नीचे रहा । मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि शुक्रवार को लखनऊ में बादलों की आवाजाही रहेगी । गरज-चमक के साथ तेज झोंकेदार हवाएं चलेंगी । बूंदाबांदी की भी संभावना है ।

खुद को बताता था पूर्व केंद्रीय मंत्री के पीए का करीबी, नौकरी के नाम पर करोड़ों की ठगी

कानपुर , एजेंसी। सरकारी विभाग में नौकरियां निकली हैं। केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान का पीए हमारा करीबी है। उससे एक बार कह देंगे तो, जितनी चाहोगे नौकरी लग जाएगी। हर नौकरी का आठ लाख रुपये लगेगा। कुछ इसी अंदाज में लोगों को अपनी बातों में फंसा करोड़ों की ठगी करने वाले शातिर रितेश सिंह को साइबर क्राइम पुलिस ने झारखंड के बोकारो से गिरफ्तार किया है। वह वहां के अपार्टमेंट में रह रहा था।

उस पर चकेरी थाने में 50 लाख ठगी के तीन मामले दर्ज हैं। उसकी चार साल से तलाश थी। देहली सुजानपुर के भवानीनगर क्षेत्र के चन्द्रमा प्रसाद सिंह के अनुसार अगस्त 2018 में उनके दामाद का दोस्त रितेश सिंह और उसका साथी न्यू आजाद नगर निवासी विनोद कुमार सिंह उनके घर आए। दोनों ने बातचीत के दौरान कहा कि मंत्री कोटे से कुछ नौकरियां निकलीं हैं।

आठ लाख के हिसाब से 24 लाख का खर्च बताया: मंत्री राम विलास पासवान के पीए से उनके काफी अच्छे संबंध हैं। उनसे कहकर आसानी से नौकरियां लगवाई जा सकती है। उन्होंने दो बेटियों आकांक्षा व पारुल और भांजे अमित कुमार चौधरी की नौकरी की बात की तो आरोपियों ने आठ लाख के हिसाब से 24 लाख रुपये का खर्च बताया। उनकी बात पर भरोसा कर अलग-अलग तारीखों में 20 लाख रुपये बताए हुए खातों में ट्रांसफर कर दिए, जबकि शेष चार लाख रुपये नियुक्ति पत्र मिलने के समय देना तय हुआ।

साक्षात्कार को बुलाया दिल्ली, फर्जी निकला नियुक्ति पत्र: चन्द्रमा प्रसाद के अनुसार रितेश और विनोद ने 15 अक्तूबर 2018 को दोनों बेटियों और भांजे को दस्तावेजों के साथ साक्षात्कार के लिए दिल्ली बुलाया। वहां तीस हजारी एफसीआई कैंपस के कार्यालय में दस्तावेज जमा करवाए। कुछ दिन बाद डाक से तीन पत्र आए। उनके दिए दिल्ली के पते पर नियुक्ति के लिए जब तीनों पहुंचे, तो वहां ऐसा कोई कार्यालय मिला ही नहीं। ठगी का अहसास होने पर उनसे रुपये वापस मांगे तो उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

सेना में भी नौकरी का झांसा देकर की थी ठगी: केडीए कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार के अनुसार अगस्त 2018 में दोस्त प्रवीन कुमार ने बताया कि उसके कुछ रिश्तेदारों की सरकारी नौकरी लगने की बात चल रही है । उनके परिचित विनोद कुमार सिंह व रितेश कुमार केंद्रीय मंत्री के पीए के करीबी हैं और नौकरी लगवा रहे हैं । उनसे मुलाकात हुई तो उन लोगों ने आठ लाख रुपये मांगे । उनके बताए खातों में रुपये ट्रांसफर करने के बाद उन्हें साक्षात्कार के बाद जो ज्वॉइनिंग लेटर मिला वह फर्जी निकला । बाद में पता चला आरोपियों ने इसी तरह कई लोगों से लाखों की ठगी की है ।

अपार्टमेंट के सामने बैठकर की रेकी तब पकड़ा: साइबर क्राइम टीम के अनुसार आरोपी रितेश सिंह के खिलाफ 2021 में चकेरी थाने में कई रिपोर्ट दर्ज हुईं थीं । इसकी विवेचना टीम को मिली थी । पीड़ितों ने आरोपियों के फोटोग्राफ, मोबाइल नंबर उपलब्ध कराए थे । मोबाइल नंबर पहले स्विच ऑफ रहे । बाद में पहुंच से बाहर बताने लगे । कॉल डिटेल निकाली गई, तो उनमें से कुछ नंबर संदिग्ध पाए गए । ट्रेस होने से पहले ही शातिरों ने उनका इस्तेमाल बंद कर दिया था ।

बोकारो स्थित अपार्टमेंट में रहने की जानकारी हुई: उन नंबरों के बंद होने से पहले उनकी लोकेशन झारखंड के जामताड़ा और उसके आसपास की निकली । 15 अप्रैल को टीम वहां पहुंची, लेकिन उनकी सटीक लोकेशन नहीं मिल सकी । एक इंस्पेक्टर के वहां के परिचित दरोगा ने वहां के मुखबिरों को इस काम में लगाया, जिस पर आरोपी के बोकारो स्थित अपार्टमेंट में रहने की जानकारी हुई । वह आठवीं मंजिल पर रह रहा था ।

आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा: पुलिस ने अपार्टमेंट के सामने चोखा-बाटी की दुकान पर डेरा जमाया । वहां के लोगों से पता चला कि वह बाहर गया है, जबकि परिवार अपार्टमेंट में हैं । उसके आने का इंतजार किया गया । सात दिन बाद सुबह जब वह दूध लेने नीचे आया तो उसे दबोच लिया । एडीसीपी क्राइम अंजली विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है । इंस्पेक्टर अनिल के नेतृत्व में टीम ने उसे पकड़ा है । वह चार साल से वांछित था ।

मायावती बोलीं- बसपा ही ओबीसी की हितैषी, बहुजन कल्याण के लिए भाजपा-कांग्रेस पर भरोसा करना घातक

लखनऊ, एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि ओबीसी समाज का हित बसपा में ही सुरक्षित है और बसपा ही ओबीसी समाज की सच्ची हितैषी है। बहुजनों को अपने हित व कल्याण के लिए भाजपा व कांग्रेस पर भरोसा करना घातक है। उन्होंने कहा कि काफी लम्बे समय तक ना-ना करने के बाद अब केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा इसका श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़ लगी है जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित व वंचित है।

वैसे भी कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर का आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मिशन सफल होता हुआ जरूर दिखता।

लेकिन बाबा साहेब एवं बसपा के अनवरत संघर्ष के कारण ओबीसी समाज आज जब काफी हद तक जागरुक है तो दलितों की तरह ओबीसी वोटों के लिए ललायित इन पार्टियों में इनका हितैषी दिखने की स्वार्थ व मजबूरी है, अर्थात् स्पष्ट है कि ओबीसी का हित बसपा में ही निहित है, अन्यत्र नहीं।

अतः वोट हमारा राज तुम्हारा- नहीं चलेगा के मानवतावादी संघर्ष को सही व सार्थक बनाकर अपने पैरों पर खड़े होने का समय करीब है जिसके लिए कोताही व लापरवाही घातक तथा भाजपा व कांग्रेस आदि पार्टियों पर दलित, ओबीसी समेत बहुजन-हित, कल्याण व उत्थान हेतु भरोसा करना ठीक नहीं है। बता दें कि केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने की घोषणा कर दी है। इस मुद्दे का कांग्रेस सहित सभी दलों ने स्वागत किया है।

गोरखपुर में भाई-बहन की मौत के बाद...मां ने भी तोड़ा दम- 10 वर्ष पहले पिता का भी उठ चुका है साया

गोरखपुर , एजेंसी। हरपुर-बुदहट थाना क्षेत्र के कूचडेहरि गांव में मां के डांटने से नाराज मोहित कन्नौजिया (18) ने बुधवार को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। बेटे को फंदे से लटका देख उसकी मां और फिर 14 वर्षीय बहन ने भी जहर (सल्फास) खा लिया था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मां-बेटी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान युवक की बहन सुप्रिया (14) की शाम को मौत गई। जबकि, मां कौशिल्या की मौत बृहस्पतिवार की सुबह मेडिकल कॉलेज में हो गई। इस घटना के बाद अब परिवार में सिर्फ बुजुर्ग बाबा बचे हैं।

मोहित के बाबा हरिलाल (72) ने बताया कि वो बुधवार को पशु चराने गए थे। लौटे तो दरवाजे पर भीड़ देखकर सहम गए। घटना सुनते ही जमीन पर बैठ गए। वह रोते हुए कह रहे थे कि पता होता तो मैं कभी नहीं जाता। सुप्रिया और मोहित ही मेरे लिए सहारा थे। दिन भर सुप्रिया मेरी सेवा करती थी।

बेटे की मौत 10 साल पहले हो चुकी है। पहले बेटे को कंधा दिया, अब पोते-पोती कंधा देना पड़ेगा। यह पता होता तो पहले ही अपना गला घोंट लेता। मेरी तो समझ में ही नहीं आ रहा है कि अचानक एक ही दिन में क्या हो गया। 10 दिन पहले ही अहमदाबाद से मोहित घर आया था।

अधिवक्ता के घर पर तोड़फोड़ व पथराव, दो नामजद समेत 20 से 25 लोगों पर केस दर्ज

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में अधिवक्ता के घर पर तोड़फोड़ व पथराव के मामले में दो नामजद सहित 20 से 25 लोगों के खिलाफ संगीन धाराओं में कैंट में मुकदमा दर्ज किया गया है । पीड़ित अधिवक्ता ने मामले को लेकर परिवार के लिए सुरक्षा की गुहार लगाई है । उधर, अधिवक्ताओं में घर पर हुई तोड़फोड़ और महिलाओं से दुर्व्यवहार को लेकर आक्रोश का माहौल है ।

महादेव नगर कलोनी अनौला निवासी अधिवक्ता अशोक कुमार सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गुरुवार की दोपहर में वह कोर्ट में थे । इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि राधेश्याम चौबे उनके साले व 20-25 अज्ञात व्यक्तियों के साथ घर पर चढ़ कर आए और बाउंड्री को तोड़ने की कोशिश करने लगे । कुछ लोग पत्थर से गेट पर मारने लगे । आरोप लगाया कि कुछ लोग घर के बाउंड्री पर चढ़कर मौजूद महिलाओं को गाली देते हुए अश्लील इशारा करने लगे । साथ ही जान से मारने की धमकी दे रहे थे । पेशे से अधिवक्ता होने के कारण उस समय वह कोर्ट में मौजूद थे और घर में सिर्फ महिलाएं व बच्चे मौजूद थे । घटना से घर में बृद्ध मां व पत्नी और बच्चे डरे सहमे हुए हैं । घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज व तमाम साक्ष्य पुलिस को देते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की । मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो नामजद सहित 20-25 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और विधिक कार्यवाही में जुट गई है ।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी लईक कालिया गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

बरेली , एजेंसी। बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार सुबह गांव फरीदापुर जागीर के खेत में पशु तस्करों को घेर लिया । पशु तस्करों ने फायरिंग की तो जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई । पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामी पशु तस्कर लईक उर्फ कालिया दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया । कालिया भोजीपुरा के ही अलीनगर गांव का निवासी है और काफी समय से गोकशी के मामलों में वांछित था । पुलिस ने घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार किया तो उसके कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा व चार कारतूस बरामद हुए । साथ ही पशु कटान के औजार, रस्सी व एक बाइक भी मिली जिस पर कोई नंबर नहीं था । दूसरा आरोपी सलीम उर्फ कालिया पुत्र बड़े लल्ला निवासी गांव भूडा थाना भोजीपुरा मौके से भाग गया । एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने आरोपी लईक की गिरफ्तारी के बाद वीडियो बयान जारी कर बताया कि लईक पर पहले से आठ मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से सात गोकशी व एक मुकदमा गैंगस्टर अधिनियम का पंजीकृत है ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले पूर्व कप्तान कपिल देव, शिष्टाचार भेंट की

लखनऊ , एजेंसी। भारत के महान ऑलराउंडर कपिल देव ने शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए सीएम योगी के एक्स अकाउंट पर बताया गया है कि प्रख्यात क्रिकेट खिलाड़ी एवं 1983 की विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव जी ने आज लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। कपिल देव ने भारत की तरफ से 131 टेस्ट मैच और 225 वनडे मैचों में प्रतिनिधित्व किया। उनकी गिनती भारत के महानतम खिलाड़ियों में होती है।

मां को लाऊंगा हिंदुस्तान... उनके बिना सब अधूरा...

पाकिस्तान जाने वाली इरम के बेटे और बेटी का ऐसा है हाल

बरेली , एजेंसी। बरेली की बहू इरम की पाकिस्तान वापसी से बिहारीपुर निवासी उनका 15 साल का बेटा शाहनूर बेचैन है। उसकी सात साल की बेटी आयजा का भी यही हाल है। दोनों बच्चे पिता और परिजनों के पास हैं। खाने-पीने की कोई कमी नहीं है, पर मां के बिना सब अधूरा लगता है।

बात करने पर शाहनूर ने कहा कि बड़े होकर मां को हिंदुस्तान लाएंगे। मां के जाने से मन नहीं लग रहा है। जब भी मौका मिलेगा, वह मां से मिलने पाकिस्तान जाएगा। सात साल की बेटी आयजा भी पल-पल मां को याद कर रही है। वह बहुत देर बाद बोलने के लिए शब्द जुटा सकी।

कहा कि जब उसने साथ जाने की बात कही तो मां ने समझाया था कि मेरी बच्ची, कुछ मजबूरी है। तुम लोग मेरे साथ नहीं चल सकते। तब हम दोनों रो पड़े थे। फिर मां ने कहा कि खुदा कभी न कभी उन्हें जरूर मिलाएगा।

इरम ने कहा था हिंदुस्तान के लिए धड़केगा दिल: इरम के परिजनों के मुताबिक, वह हिंदुस्तान की सरहद पार करके अटारी के रास्ते पाकिस्तान जा चुकी हैं। फिलहाल, उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। परिजनों के मुताबिक, बरेली छोड़ते वक्त भी इरम बहुत भावुक थीं। उसने कहा था कि वह भले ही पाकिस्तान में रहेंगी, पर उनका दिल हमेशा हिंदुस्तान के लिए धड़कता रहेगा। बच्चे हमेशा याद आएंगे। उसने भारत की सरजमीं को चूमकर सरहद पार किया था। कहा था कि यह सरजमीं मेरे बच्चों को पनाह देगी।

जानते हैं इरम की कहानी : लाहौर की निस्तार कॉलोनी में पैदा हुई इरम के पिता मजाहिल हुसैन लाहौर के मशहूर डॉक्टर हैं। मजाहिल हुसैन की बहन का निकाह बरेली में हुआ था। इस लिहाज से बुआ ने ही भतीजी इरम के लिए बिहारीपुर निवासी अथर से रिश्ते की बात चलाई। आठ अप्रैल 2008 को इरम का निकाह मोहम्मद अथर से किया गया। इरम की शादी के करीब 15 साल तक सब ठीक चला।

इरम के मुताबिक 11 जून 2024 को शौहर ने उसे रातभर पीटा और तलाक देकर घर से बाहर निकाल दिया। चूंकि भारत में तब तीन तलाक पर नया कानून आ गया था तो इरम ने 18 जून 2024 को कोतवाली में पति मोहम्मद अथर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस के प्रयास से उसी मकान में इरम को एक कमरा मिल गया।

सितंबर में कर लिया था भारत छोड़ने का फैसला: इरम के मुताबिक ससुरालवालों के रवैये को देखकर उसने सितंबर 2024 में ही भारत छोड़ने का फैसला कर लिया। चूंकि वह मुकदमा चलने के दौरान देश नहीं छोड़ सकती थी तो उसने पुलिस को मुकदमा वापस लेने का पत्र दिया।

भारत की तरफ से खेलने का सपना अब भी पहले की तरह बरकरार है : रहाणे

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शुक्रवार को कहा कि पिछले दो साल से राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बावजूद भारत की तरफ से खेलने के उनकी इच्छा और भूख पहले की तरह बरकरार है। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने आखिरी टेस्ट मैच 2023 में खेला था और वह करीब एक दशक से सीमित ओवरों की टीम से बाहर हैं लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय टीम में वापसी करने को लेकर अभी हार नहीं मानी है।

रहाणे ने कहा, 'मैं फिर से भारतीय टीम में जगह बनाना चाहता हूं। मेरी इच्छा, भूख, जज्बा पहले की तरह बरकरार है। मैं अब भी पहले की तरह फिट हूं। मैं एक समय में केवल एक मैच पर ध्यान देना चाहता हूं और अभी मेरा ध्यान केवल आईपीएल पर है। इसके बाद देखते हैं कि भविष्य में क्या होता है।%

उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो कभी हार नहीं मानता। मैं हमेशा मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। मैं मैदान पर 100 प्रतिशत से अधिक देता हूं। यह उन चीजों से जुड़ा है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मैं घरेलू क्रिकेट भी खेल रहा हूं और इस समय मैं वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं।

रहाणे के लिए गौरव का सबसे बड़ा क्षण शायद 2020-21 का ऑस्ट्रेलिया दौरा था जिसमें उन्होंने चोटों से जूझ रही टीम का नेतृत्व करते हुए भारत को टेस्ट श्रृंखला में 2-1 से जीत दिलाई थी। इसके बाद वह हालांकि लंबे समय तक भारतीय टीम का हिस्सा नहीं रहे। उन्होंने कहा, 'हर सुबह जब मैं उठता हूं तो यही सोचता रहता हूं कि मैं कौन से लक्ष्य हासिल करना चाहता हूं। मेरे लिए अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बढ़कर कुछ नहीं है। मैं फिर से भारतीय जर्सी पहनना चाहता हूं। जब कोई टूर्नामेंट नहीं चल रहा होता है तो मैं एक दिन में दो से तीन सत्र तक अभ्यास करता हूं। मुझे लगता है कि अभी मेरे लिए खुद को फिट रखना वास्तव में काफी महत्वपूर्ण है।

रहाणे ने कहा, 'मैं अपने आहार पर भी ध्यान दे रहा हूं। मेरे अंदर भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन की प्रेरणा पहले की तरह बनी हुई है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि मैं पहले की तरह खेल का पूरा आनंद ले रहा हूं। मैं खेल को लेकर भावुक हूं। मैं अब भी खेल से प्यार करता हूं। रहाणे ने आईपीएल के संदर्भ में कहा कि टीम प्रबंधन नाइट राइडर्स के उप कप्तान वेंकटेश अय्यर का पूरा समर्थन करती है जो इस सत्र में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम पूरी तरह से वेंकटेश अय्यर का समर्थन कर रहे हैं। वह बड़ा स्कोर बनाने से सिर्फ एक पारी दूर हैं। आप शायद अगले चार मैचों में उनकी एक अच्छी पारी देख सकते हैं।

वाकई एक परफेक्ट मैच था- राजस्थान को हराकर बोले हार्दिक पांड्या

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के मैदान पर राजस्थान रॉयल्स को हराने के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि हमने जिस तरह बल्लेबाजी की और गेंदबाजी में भी जिस तरह सटीकता दिखाई ये वाकई एक परफेक्ट मैच था। हम शायद 15 रन और बना सकते थे। हमारी आपस में बातचीत यही थी कि

प्रतिशत के हिसाब से शॉट्स खेलें। सूर्या और मैंने कहा कि यहां शॉट्स की वैल्यू है। रोहित और रायन ने भी उसी अंदाज में बल्लेबाजी की। मुझे लगता है यह शानदार था। यह कभी इस बात पर निर्भर नहीं करता कि किसे मौक़ा मिला, बल्कि इस पर होता है कि उस स्थिति में क्या जरूरी है।

हार्दिक ने कहा कि लोग अब फिर से बल्लेबाजी के मूल सिद्धांतों की ओर लौट रहे हैं। एक यूनिट के तौर पर हमने जिस तरह बल्लेबाजी की, वो असली बल्लेबाजी थी। मैं नहीं जानता किन-किन गेंदबाज़ों का नाम लूं। हर कोई अपने रोल को लेकर स्पष्ट है। हम सीधी और साधारण क्रिकेट खेल रहे हैं, और वही हमारे लिए काम कर रही है। हम हर मैच को एक-एक करके देखना चाहते हैं और विनम्र व अनुशासित रहना चाहते हैं।

वहीं, प्लेयर ऑफ़ द मैच रायन रिकलटन ने कहा कि आज शानदार अनुभव रहा। इस हफ्ते मेरा परिवार भी यहां आया हुआ है, तो यह हफ्ता और भी ख़ास बन गया। शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन अब हमारी साझेदारी अच्छी तरह क्लिक कर रही है। मौसम को लेकर थोड़ी अनिश्चितता थी, बादल मंडरा रहे थे। आईपीएल में सबसे जरूरी बात यही है। हालात के अनुसार ख़ुद को ढालना। टूर्नामेंट के पहले हिस्से में मैं शायद ज्यादा करने की कोशिश कर रहा था, जिसकी मुझे कीमत चुकानी पड़ी। हमारे पास एक शानदार थिंकटैंक है, सीनियर खिलाड़ी हैं और मजबूत मैनेजमेंट टीम भी है।

सात्विक-चिराग को खेल रत्न, खेलमंत्री मांडविया से मिला विशेष पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बैडमिंटन सितारे सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार प्रदान किया। सात्विक और चिराग को पिछले साल यह सम्मान मिला था लेकिन खेल में व्यस्त होने के कारण वे राष्ट्पति भवन में सम्मान लेने

नहीं जा सके।

उन्हें फरवरी में खेलमंत्री से सम्मान लेना था लेकिन सात्विक के पिता आर कासी विश्वनाथम का दिल का दौरा पड़ने से निधन होने के कारण उसे स्थगित करना पड़ा। मांडविया ने एक्स पर दोनों खिलाड़ियों के साथ तस्वीर साझा करके लिखा, 'हमारे बैडमिंटन चैम्पियन चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी को आज दिल्ली में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2023 प्रदान किया।

उन्होंने लिखा, 'यह पुरस्कार कोर्ट पर उनके शानदार प्रदर्शन और प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं। सात्विक और चिराग ने 2022 एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों और 2023 एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते। दोनों बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर रहने वाली और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय जोड़ी थी।

आज चेन्नई के खिलाफ आरसीबी की निगाहें प्लेऑफ में जगह पक्की करने पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना करेगा तो उसकी निगाह प्ले ऑफ ने अपनी जगह लगभग पक्की करने पर होगी। महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली की मौजूदगी के कारण यह मैच खास बन गया है क्योंकि क्रिकेट प्रेमियों को भारतीय क्रिकेट के इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को संभवतः आखरी बार एक दूसरे के खिलाफ खेलते हुए देखने का मौका मिलेगा।

इस मैच में जीत दर्ज करने पर आरसीबी के कुल 16 अंक हो जाएंगे और उसका प्लेऑफ में जगह बनाना लगभग सुनिश्चित हो जाएगा। आरसीबी को इसके बाद तीन और मैच खेलने हैं और जिस तरह से उसकी टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए टीम की निगाह शीर्ष दो में जगह बनाने पर लगी होगी ताकि उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलें। जहां तक चेन्नई का सवाल है तो उसके 10 मैच में केवल चार अंक हैं और वह प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है।

धोनी की अगुवाई वाली टीम हालांकि ऋष्क्र के समीकरण बिगाड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस मैच में हालांकि सभी की निगाहें धोनी और कोहली पर टिकी रहेंगी। कोहली इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने अभी तक टूर्नामेंट में 443 रन बनाए हैं और वह फिर से ऑरेंज कैप हासिल करने की कोशिश करेंगे जो प्रतियोगिता में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज को मिलती है।

उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले देवदत्त पडिक्कल से अच्छा सहयोग मिल रहा है। देवदत्त ने अपनी पिछली दो पारियों में दो अर्द्धशतक बनाए हैं। लेकिन कोहली निश्चित रूप से अपने सलामी जोड़ीदार फिल साल्ट से अधिक योगदान देखना चाहेंगे। आरसीबी को अपने कप्तान रजत पाटीदार से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

चेन्नई के गेंदबाजों में अभी तक तेज गेंदबाज खलील अहमद और स्पिनर नूर अहमद ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं और आरसीबी के बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। लेकिन चेन्नई के बल्लेबाजों को इस तरह की राहत नहीं मिलेगी क्योंकि उनका सामना जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार, कृणाल पंड्या और सुयश शर्मा से होगा।

चेन्नई के बल्लेबाजों ने अभी तक टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसकी टीम को उम्मीद होगी कि उनके बल्लेबाज जैसे आयुष म्हात्रे, सैम कुरेन, डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे अच्छा योगदान देंगे जिससे कि धोनी अंतिम ओवर में अपने सर परिचित आक्रामक अंदाज में रन बना सकें।

टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु – रजत पाटीदार (कप्तान) फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा, लुंगी एनगिडी, लियाम लिविंगस्टोन, स्वप्निल सिंह, मनोज भांडागे, रसिख दार सलाम, नुवान तुषारा, जैकब बेथेल, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स – एमएस धोनी (कप्तान, विकेटकीपर), शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रवींद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना, अंशुल कंबोज, आर अश्विन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, श्रेयस गोपाल, डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, सी आंद्रे सिद्धार्थ, वंश बेदी।

समय -शाम 7.30 बजे।

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा

साइ सुदर्शन को इंग्लैंड दौरे के लिए शामिल किया जाना चाहिए

दुबई (एजेंसी)। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने युवा साइ सुदर्शन को हर प्रारूप का बल्लेबाज बताते हुए कहा कि उसे इस साल इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया जाना चाहिए। भारतीय टीम नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र (2025 - 2027) की शुरूआत इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की श्रृंखला से करेगा। भारत को न्यूजीलैंड ने घरेलू टेस्ट श्रृंखला में 3.0 से और आस्ट्रेलिया ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 3.1 से हराया था।

आईपीएल में इस सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में 456 रन के साथ दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस के सुदर्शन के बारे में शास्त्री ने कहा कि काउंटी खेलने के अनुभव और अपनी तकनीक के कारण वह इंग्लैंड के हालात में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे का आगाज 20 जून से शुरू हो रहे हेडिंग्ले टेस्ट से करेगी। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'मुझे लगता है कि यह युवा खिलाड़ी साइ सुदर्शन हर प्रारूप का खिलाड़ी है। वह शानदार क्रिकेटर है। इंग्लैंड के हालात में एक खब्बू बल्लेबाज और तकनीक में कुशल होने के कारण मैं चाहूंगा कि वह भारतीय टीम में रहे। उन्होंने कहा कि भारत के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट और आईपीएल में फॉर्म में चल रहे श्रेयस अय्यर भी चुने जा सकते हैं लेकिन उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। शास्त्री ने कहा, 'श्रेयस वापसी कर सकता है लेकिन प्रतिस्पर्धा कड़ी होगी। सफेद गेंद के प्रारूप में तो उसका चयन पक्का है लेकिन टेस्ट क्रिकेट में देखना होगा कि बाकी खिलाड़ी कौन हैं। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के चोट से उबरकर वापसी करने के बीच शास्त्री ने कहा कि भारत के गेंदबाजी आक्रमण में एक बाएं हाथ का गेंदबाज होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'बाएं हाथ का गेंदबाज होना चाहिए जिसे छठा गेंदबाजी विकल्प बनाया जा सकता है। वह सफेद गेंद का विशेषज्ञ भी हो सकता है। वैसे मुझे यह पसंद नहीं है जब लोग कहते हैं कि अर्शदीप सिंह सफेद गेंद का विशेषज्ञ है। उन्होंने कहा, 'मैं लाल गेंद के प्रारूप में उसके रिकॉर्ड पर नजर रखूंगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम का खराब प्रदर्शन जारी, ऑस्ट्रेलिया से 0-2 से हारी

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बृहस्तिवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने तीसरे मैच में 0-2 की शिकस्त से पहले मेजबान टीम को कड़ी टक्कर दी। कर्टनी शोनेल (नौवें मिनट) ने पहले क्वार्टर में मेजबान टीम के लिए पहला गोल किया जबकि ग्रेस स्टीवर्ट ने 52वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। इससे पहले मेहमान टीम को ऑस्ट्रेलिया 'ए% के ??खिलाफ शुरुआती दो मैच में 3-5 और 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। बृहस्पतिवार का मुकाबला भारत का ऑस्ट्रेलिया की मुख्य टीम के खिलाफ पहला मैच था।

शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलिया ने भारत के डिफेंस पर कड़ा दबाव बनाया और शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन इसे गोल में तब्दील नहीं कर सके। आखिरकार ऑस्ट्रेलिया ने नौवें मिनट में गतिरोध तोड़ा जब शोनेल ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। मेजबान टीम ने एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन टीम इस पर भी गोल नहीं कर सकी।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने वापसी का प्रयास किया और लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन मेहमान टीम बराबरी हासिल नहीं कर पाई। दूसरे क्वार्टर में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद भारत मध्यांतर तक 0-1 से पीछे रहा।

राजस्थान को हराकर मुंबई अंक तालिका में टॉप पर, सूर्यकुमार ने हासिल की ऑरेंज कैप

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के घर जयपुर में हराकर जीत का सिक्सर लगाते हुए आईपीएल 2025 के अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। मुंबई के टॉप पर पहुंचने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स को एक-एक स्थान नीचे खिसकना पड़ा है।

मुंबई ने जयपुर के मैदान पर 13 साल बाद राजस्थान को हराया है। जबकि 100 रन से हार राजस्थान की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया था। रिकल्टन, रोहित, हार्दिक और सूर्यकुमार की पारियों के दम पर मुंबई ने राजस्थान को 217 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान की पारी शुरूआत में ही बिखर गई। उन्होंने पावरप्ले में ही 5 विकेट गंवा लिए थे जोकि इस सीजन में पहली बार हुआ है। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट ने 3-3 तो जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लीं।

मुंबई के 11 मैचों में 7 जीत और 4 हार के बाद कुल 14 अंक हो गए हैं। हालांकि बेंगलुरु के 10 मैचों में 7 जीत और 3 हार के साथ 14 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण मुंबई टॉप पर है और बेंगलुरु खिसक कर दूसरे स्थान पर आ गई है। पंजाब के 10 मैचों में 6 जीत 3 हार और एक ड्रॉ के कारण 13 अंक हैं और वह इस समय तीसरे स्थान पर है। टॉप 4 में अंतिम टीम गुजरात टाइटंस है जिसने 9 मैचों में 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंक हैं। राजस्थान की बात करें तो वह 11 मैचों में मात्र 3 जीत के साथ 6 अंक सहित 8वें स्थान पर कायम है।

ऑरेंज कैप- मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने साई सुदर्शन और विराट कोहली को पछाड़कर ऑरेंज कैप हासिल कर ली है। मुंबई बनाम राजस्थान मैच से पूर्व वह तीसरे स्थान पर थे लेकिन उन्होंने नाबाद 48 रन की पारी खेलते हुए ऑरेंज कैप हासिल कर ली है। सूर्यकुमार के होल्ड 11 मैचों की 11 इनिंग्स में 68 के हाईएस्ट और 67.86 की औसत के साथ कुल 475 रन हो गए हैं। उनके नाम मौजूदा ढ्ढक्क सीजन में 3 अर्धशतक हैं।

पर्पल कैप – पर्पल कैप की बात करें तो आरसीबी के जोश हेजलवुड के पास पर्पल कैप बनी हुई हैं। उनके नाम 10 मैचों की 10 इनिंग्स में 18 विकेट्स हैं। हेजलवुड ने 33/4 के बेस्ट और 8.44 की इकोनॉमी के साथ 18 विकेट्स लिए हैं।

ट्रेंट बोल्ट के टी20 में 300 विकेट पूरे

जयपुर (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के टी20 में 300 विकेट पूरे हो गए हैं। बोल्ट ने शुक्रवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ अपनी टीम के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच के दौरान पावरप्ले में विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अपनी नई फॉर्म जारी रखी, हालांकि उन्होंने कुछ रन भी लुटाए। बोल्ट ने 2.1 ओवर में 12.90 की इकॉनमी रेट से 28 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

उन्होंने दूसरे ओवर में यशस्वी जायसवाल के खिलाफ दो छक्के खाए, लेकिन कीवी ने जल्द ही फॉर्म में चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज के स्टंप उखाड़कर उन्हें पवेलियन भेज दिया। चौथे ओवर में नितीश राणा और राजस्थान के स्टैंड-इन कप्तान रियान पराग ने 35 वर्षीय खिलाड़ी का मुकाबला करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने पुल करने की कोशिश में नितीश का विकेट ले लिया, लेकिन तिलक वर्मा ने कैच कर लिया। उन्होंने पारी का अंतिम विकेट जोफ्रा आर्चर का लिया, जिसे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कैच किया।

अब 257 टी20 में बोल्ट ने 25.10 की औसत से 302 विकेट लिए हैं जिसमें 4/13 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और 8.05 की इकॉनमी रेट शामिल है। वह टिम साउथी (343 विकेट), ईश सोढ़ी (310 विकेट) के बाद 300 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे गेंदबाज हैं। अपने पिछले पांच मैचों में 11 विकेट के साथ बौल्ट शानदार फॉर्म में हैं और 21.00 की औसत और 8.80 की इकॉनमी रेट से 16 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा 4/26 है।

मैच की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स को जयपुर के मैदान पर ही मुंबई इंडियंस ने धूल चटाते हुए सीजन की लगातार छठी जीत हासिल की और अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई। मुंबई ने जयपुर के मैदान पर 13 साल बाद राजस्थान को हराया है। जबकि 100 रन से हार राजस्थान की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया था। रिकल्टन, रोहित, हार्दिक और सूर्यकुमार की पारियों के दम पर मुंबई ने राजस्थान को 217 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान की पारी शुरूआत में ही बिखर गई। उन्होंने पावरप्ले में ही 5 विकेट गंवा लिए थे जोकि इस सीजन में पहली बार हुआ है। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट ने 3-3 तो जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लीं।

श्रीसंत पर गिरी गाज

केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने लगाया तीन साल का प्रतिबंध

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से संजू सैमसन को बाहर किए जाने से जुड़े विवाद के संबंध में कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक बयान देने के लिए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है।

केसीए ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय 30 अप्रैल को कोच्चि में आयोजित अपनी विशेष आम सभा की बैठक में लिया गया। श्रीसंत वर्तमान में केरल क्रिकेट लीग की एक फ्रेंचाइजी टीम कोल्लम एरीज के सह-मालिक हैं। इससे पहले उनकी विवादास्पद टिप्पणी के संबंध में श्रीसंत के साथ-साथ फ्रेंचाइजी टीमों कोल्लम एरीज, अलाप्पुझा टीम लीड और अलाप्पुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। बयान में कहा गया है, चूंकि फ्रैंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दिया है, इसलिए उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि बैठक में टीम प्रबंधन में सदस्यों की नियुक्ति करते समय अधिक सावधानी बरतने की सलाह देने का फैसला किया गया।

बिगेस्ट मॉडल ब्रांड फेस्टिवल ऑडिशन चार मई को

'बॉलीवुड एक्ट्रेस यामिनी मल्होत्रा से ग्रैंड फिनाले में होगी मुलाकात

'होटल धीरज पैलेस में मायरा इवेंट्स करा रहा आयोजन

अलीगढ़ 2 मई। उत्तर प्रदेश में फैशन इंडस्ट्री की दिशा और दशा बदलने वाला सबसे बड़ा इवेंट उत्तर प्रदेश बिगेस्ट मॉडल ब्रांड कोलैब फेस्टिवल पूरे राज्य में युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका लेकर आया है। जिसका अलीगढ़ ऑडिशन चार मई को शहर के होटल धीरज पैलेस में होने जा रहा है।

उक्त जानकारी देते हुए इवेंट कंपनी के एमडी प्रशांत झा ने बताया कि यह इवेंट न सिर्फ मॉडलिंग टैलेंट को एक बड़ा मंच दे रहा है, बल्कि ब्रांड्स और इंडस्ट्री से जुड़ने का सीधा रास्ता भी खोल रहा है। अब तक ग्वालियर, मथुरा और आगरा में हुए ऑडिशन में जबरदस्त जोश और जुनून देखने को मिला। तीनों शहरों में सैकड़ों युवाओं ने भाग लेकर अपने फैशन और मॉडलिंग के हुनर से सबको प्रभावित किया। हर शहर की ऑडिशन लोकेशन पर भारी भीड़ और गजब की एनर्जी देखने को मिली।जिससे ये साफ हो गया कि छोटे शहरों में भी मॉडलिंग का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने आगे बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होने के अलावा ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी अलीगढ़ में मौके पर होंगे।

वहीं,मॉडलिंग फैशन फेस्टिवल की सूत्रधार संगीता शर्मा ने बताया है कि मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख उड़ान भरने बालों के लिए अलीगढ़ ऑडिशन एक अच्छा मौका है। चार मई को सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले इस इवेंट के बाद ग्रैंड फिनाले में बॉलीवुड और टीवी एक्ट्रेस डॉ यामिनी मल्होत्रा विशेष रूप से प्रतिभाग करेंगी।

उन्होंने आगे बताया कि इस फेस्टिवल से प्रतिभागियों को बड़े बड़े ब्रांड्स के साथ सीधा जुड़ने का मौका मिलेगा। उनका प्रोफेशनल पोर्टफोलियो डेवलप किया जाएगा।

तो अलीगढ़ के फैशन प्रेमियों, तैयार हो जाइए 4 मई रविवार को होटल धीरज पैलेस में सुबह 11.30 बजे से अपना टैलेंट दिखाइए और बन जाइए उत्तर प्रदेश का अगला सुपर मॉडल।

श्री अग्रवाल परिषद के नवीन नारायण अध्यक्ष, गौरव गोपाल महामंत्री एवं अवदेश जिंदल कोषाध्यक्ष बने

अलीगढ़ 2 मई। श्री अग्रवाल परिषद की आम सभा की बैठक रामघाट रोड स्थित होटल आभा रेजिडेंसी में आयोजित की गई। बैठक का शुभआरंभ संस्थापक पवन मोरनी ने महाराज अग्रसेन जी मूर्ति पर माल्यार्पण करके किया। बैठक का संचालन योगेश अग्रवाल ने किया। बैठक में सर्व सम्मति से नवीन नारायण को अध्यक्ष, गौरव गोपाल को महामंत्री एवं अवदेश जिंदल को कोषाध्यक्ष बनाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर राकेश बंसल ,संदीप अग्रवाल, संदीप सिक्स संस ,सुमित अग्रवाल, नरेंद्र अग्रवाल ,अजय जामनगर प्रांजुल गर्ग ,पवन गोपाल, शलभ मित्तल , दीपक जिंदल आदि सदस्य गण सभा में उपस्थित थे।

फिल्मसाज 2025: संवेदनाओं, अंतर्दृष्टि और कला की ऊर्जा के साथ हुआ समापन

अलीगढ़, 2 मई। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के 13वें अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव फिल्मसाज का समापन भावनात्मक जुड़ाव, विचारशील संवाद और कलात्मक ऊर्जा के साथ हुआ। सांस्कृतिक शिक्षा केंद्र के अंतर्गत विश्वविद्यालय फिल्म क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय उत्सव ने केनेडी ऑडिटोरियम को सिनेमा और युवाओं की रचनात्मकता का एक जीवंत केंद्र बना दिया।

अंतिम दिन की शुरुआत मेरे देश की धरती फिल्म की स्क्रीनिंग से हुई, जो पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को समर्पित एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि थी। इस फिल्म की भावनात्मक गहराई ने पूरे ऑडिटोरियम को राष्ट्रचिंतन के एक पल में बाँध दिया। इसके बाद विजडम रूम में आयोजित ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता ने यह संदेश दिया कि ज्ञान और कला अलग-अलग नहीं, बल्कि एक ही संवाद के हिस्से हैं। मुख्य अतिथि प्रो. रफीउद्दीन, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर ने इस अवसर पर कहा कि सीईसी अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। फिल्म निर्माण, थिएटर और संगीत केवल मनोरंजन नहीं करते, वे संवेदनशीलता और जिज्ञासा को भी बढ़ाती हैं। उन्होंने छात्रों को रचनात्मक कार्यों में व्यस्त रहने और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से संपूर्ण जीवन निर्माण पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि जेएन मेडिकल कालिज के डॉ. उबैद अहमद सिद्दीकी ने कहा कि सिनेमा हमारे समय की बदलती डायरी है। चाहे वह 30 मिनट की शॉर्ट फिल्म हो या 10 एपिसोड की वेब सीरीज, यह वह जीवन दिखाती है जो अक्सर किताबों में नहीं होता।

प्रारंभ में, सीईसी के समन्वयक प्रो. मोहम्मद नवेद खान ने अतिथियों का पुष्प भेंट कर स्वागत किया और सीईसी के उद्देश्य व पहुँच को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि फिल्मसाज सिर्फ फिल्मों का मंच नहीं है, यह आवाजों का मंच है। ऐसी आवाजें जो प्रश्न करती हैं, जश्न मनाती हैं, झकझोरती हैं और प्रेरित करती हैं। महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध अभिनेता रंजन राज और विशेष अतिथि इमरान राशिद की उपस्थिति रही। उनकी उपस्थिति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। विश्वविद्यालय फिल्म क्लब की अध्यक्ष डॉ. फजीला शहनवाज ने उनका स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया।

एक प्रेरक संवाद सत्र में रंजन राज और इमरान राशिद ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए, डिजिटल युग में कहानी कहने के बदलते स्वरूप पर चर्चा की और रचनात्मक दृढ़ता की महत्ता पर प्रकाश डाला। राज ने कहा कि बनाते रहो, असफल होते रहो, सीखते रहो, यही असली फॉर्मूला है।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय फिल्म क्लब के सचिव मोहम्मद सलमान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

समापन समारोह में महोत्सव की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को सम्मानित किया गया। जब युवा फिल्म निर्माता मंच पर आए, तो ऑडिटोरियम तालियों की गूंज से भर उठाकृयह केवल तकनीक नहीं, बल्कि साहस का भी सम्मान था।

धुलाई के सर्वोत्तम साबुन
ताज स्पेशल नं.55, तूफान नं. 1 प्रभा
स्वदेशी सोप फैक्ट्री, अलीगढ़

संस्थापक स्व. मुकट बिहारी लाल नवरत्न एवं स्व.शान्ती देवी
श्री बालाजी प्रकाशन के लिये प्रकाशक, मुद्रक शालिनी गुप्ता ने न्यू टाइम्स प्रेस अशोक नगर कालोनी गूलर रोड अलीगढ़ से मुद्रित कराकर राजपथ कार्यालय 5/9, अशोक नगर कालौनी गूलर रोड, अलीगढ़ से प्रकाशित किया। ❒संपादक-शालिनी गुप्ता
मोबाइल नं. 9456465231, 9412274763/64
ईमेल drajpath@gmail.com
sanjay_rajpath@rediffmail.com

एएमयू में फिट इंडिया मूवमेंट और फ्रोलेक स्पोर्ट्स इवेंट्स का समापन समारोह आयोजित

अलीगढ़, 2 मई। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट और फ्रोलेक स्पोर्ट्स इवेंट्स के समापन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए आयोजित की गई। मुख्य अतिथि प्रो. उबैद अहमद सिद्दीकी, एनेस्थीसियोलॉजी विभाग, एएमयू ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए नियमित शारीरिक गतिविधि की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खेलों में भागीदारी मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, जिससे मस्तिष्क की कार्यक्षमता और तनाव प्रबंधन में सुधार होता है, और इससे शैक्षणिक प्रदर्शन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सलमा अहमद ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रो. सिद्दीकी को अकादमिक और शोध पहलों में उनके योगदान, विशेषकर जेएनएमसी में एमबीए (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन) छात्रों के लिए अवलोकन अध्ययन कार्यक्रम के विकास में योगदान हेतु धन्यवाद दिया।

खेल प्रभारी डॉ. मोहम्मद अफाक खान ने फिट इंडिया मूवमेंट और फ्रोलेक इवेंट्स के अंतर्गत आयोजित खेल गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार ये पहल अनुशासन, टीम भावना और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने कार्यक्रम में विजयी छात्रों और स्टाफ सदस्यों के नामों की भी घोषणा की।

समारोह में जिन छात्र विजेताओं को सम्मानित किया गया उनमें अंजलि सिंह, जजा नेहाल, अमित जादोन, साद सईद, सफदर खान, राशिद खान, खिजर सिद्दीकी, फैजान खान, मोहम्मद फैजान, रहील इकबाल, अरमान बेग, दानिश मुश्ताक, और स्टाफ सदस्य उवैस तथा मुदस्सिर नाम शामिल हैं।

कार्यक्रम में आयोजित गतिविधियों का संक्षिप्त वीडियो प्रेजेंटेशन भी दिखाया गया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे डॉ. अफाक खान को विदाई स्वरूप सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अंतिम वर्ष के छात्र फजल इमाम ने किया और धन्यवाद ज्ञापन छात्रों के खेल समन्वयक फैजान खान द्वारा प्रस्तुत किया गया।

डॉ. शीराज किरमानी एएमयू के विद्युत विभाग के एसोसिएट मेंबर-इन-चार्ज नियुक्त

अलीगढ़, 2 मई। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शीराज किरमानी को विश्वविद्यालय के विद्युत विभाग का एसोसिएट मेंबर-इन-चार्ज नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

रसायन विभाग ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई

अलीगढ़, 2 मई: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रसायन विभाग द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती उनके सामाजिक सुधारक, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री और भारतीय संविधान के प्रधान शिल्पकार के रूप में दिए गए अमूल्य योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मनाई।

कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. जेबा एन. सिद्दीकी द्वारा डॉ. अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकगणकृप्रो. एम. अकरम, डॉ. अनामिका गुप्ता, डॉ. शफिउल्लाह, डॉ. मोहम्मद खालिद, डॉ. अमजद एम. टी. खान, डॉ. मोहम्मद तौकीर, डॉ. अजाज अहमद वानी तथा अन्य विशिष्ट अतिथि एवं गैर-शिक्षण स्टाफ भी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में प्रो. जेबा सिद्दीकी ने डॉ. अंबेडकर की महान विरासत को याद करते हुए उन्हें सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र के सशक्त पक्षधर के रूप में सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का जीवन और विचार आज भी सभी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और हम सबको उनके समावेशी और समानतामूलक समाज के दृष्टिकोण को अपनाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन डॉ. अनामिका गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

गृह विज्ञान विभाग के छात्रों ने पारंपरिक वस्त्र उद्यम के अध्ययन हेतु हस्तशिल्प इकाई का दौरा किया

अलीगढ़, 2 मई। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा बी.एससी. कम्युनिटी साइंस के छात्रों के लिए नूर तारा, अलीगढ़ की एक स्थानीय पट्टीवर्क हस्तशिल्प इकाई का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। यह भ्रमण पारंपरिक वस्त्र-आधारित उद्यमिता की समझ को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल था।

भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को पारंपरिक हस्तशिल्प पर आधारित व्यावसायिक संचालन की वास्तविक जानकारी प्रदान करना था। इस दौरान छात्रों ने डिजाइन, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, ब्रांडिंग, विपणन और खुदरा बिक्री की प्रक्रियाओं को निकटता से देखा। इस संवादात्मक अनुभव ने छात्रों को यह समझने का अवसर दिया कि किस प्रकार पारंपरिक कौशल को आधुनिक उद्यमशीलता की रणनीतियों के साथ जोड़ा जा सकता है।

विभागाध्यक्ष प्रो. सबा खान ने नूर तारा की संस्थापक सिखा गोपीनाथ का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने छात्रों को मूल्यवान जानकारी प्रदान की और इस शैक्षणिक यात्रा को संभव बनाया।

इस भ्रमण का समन्वयन डॉ. नसीम उस सहर द्वारा किया गया, जिसमें शोध छात्रा उजमा इस्लाम ने सहयोग प्रदान किया।

कागज पर बच्चों ने उकेरे मनोभाव

अलीगढ़ 2 मई। बाल पत्रिका अभिनव बालमन द्वारा मिशन इंटरनेशनल अकादमी में मेरा मन मेरे रंग का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने चित्रकला के माध्यम से अपने विचारों को उकेरा। कार्यक्रम में 136 बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभाग किया। विद्यालय के प्रबंधक आशीष शर्मा ने कहा कि चित्रकारी बच्चों के लिए प्रिय होती है। मेरा मन मेरे रंग के माध्यम से इस प्रिय गुण को प्रकाशित होने का अवसर मिलेगा जो बच्चों के हौसले में वृद्धि करेगा। प्रधानाचार्या शीतल शर्मा ने कहा कि विभिन्न विषयों उकेरे गए चित्र बच्चों की कल्पनाशीलता का परिणाम हैं। कार्यक्रम का संयोजन लखन ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका अनीता, सुनीता, अनीशा एवं सोनी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

एएमयू के विधि छात्रों ने 4वीं आईआईएलएम राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता जीती

अलीगढ़, 2 मई। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विधि संकाय के एक छात्र दल ने गुरुग्राम स्थित आईआईएलएम लॉ स्कूल में आयोजित 4वीं आईआईएलएम राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता जीतने वाली टीम में प्रिंसी भारद्वाज, शाश्वत दुबे और वर्धन सिंह शामिल थे। टीम ने कई सशक्त और तर्कपूर्ण बहस के राउंड्स में हिस्सा लेकर यह उपलब्धि हासिल की। विशेष रूप से, प्रिंसी भारद्वाज को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ वक्ता पुरस्कार से भी नवाजा गया।

विधि संकाय के डीन एवं अध्यक्ष प्रो. एम. जेड. एम. नोमानी ने छात्रों को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि इस प्रकार की सफलता एएमयू की मजबूत विधिक शैक्षणिक नींव और व्यावहारिक वकालत कौशल पर निरंतर बल देने का परिणाम है।

कार्यालय अलीगढ़ नगर निगम, अलीगढ़।

कक्ष सं० 308, सेवा भवन, लाल डिग्गी, अलीगढ़
Email ID: gmjalaligarh@gmail.com
पत्रांक 116/ज०वि०/2025-26 दिनांक 02-05-2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

जलकल विभाग नगर निगम, अलीगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्यों की ई-निविदा डबल बिड (टैक्नीकल/फाइनेन्सियल) सिस्टम में आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रिक्योरमेन्ट की बेवसाइट www.etender.up.nic.in में प्राप्त किये जा सकते हैं।

कार्यों का नाम-

1-15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना का कार्य मय 05 वर्ष के रख-रखाव व संचालन का कार्य।

-निविदा आमंत्रित की अंतिम तिथि 17.05.2025 की अपरान्ह 2:00 बजे तक।

-निविदाओं की टैक्नीकल बिड खोले जाने की तिथि 17.05.2025 सायं 4:00 बजे तक।

-फाइनेन्सियल बिड केवल उन निविदादाताओं की खोली जायेगी जो टैक्नीकल बिड में अर्ह पाये जायेंगे।

-फाइनेन्सियल बिड में खोले जाने का विवरण बेवसाइट www.etender.up.nic.in से प्राप्त किया जा सकता है।

सहायक अभियन्ता (जल),
नगर निगम, अलीगढ़।

कार्यालय नगर पालिका परिषद खैर (अलीगढ़)

पुनः नीलामी बोली सूचना

नगर पालिका परिषद खैर जनपद अलीगढ़ वित्तीय वर्ष 2025-26 (स्वीकृत दिनांक से 31 मार्च, 2026 तक) के लिये ठेका विज्ञापन शुल्क के ठेका की खुली नीलामी बोली कार्यालय नगर पालिका परिषद सभागार में दिनांक 07 मई 2025 अपरान्ह 2.00 बजे से आमंत्रित करती है। इच्छुक व्यक्ति नियत तिथि को निर्धारित समय से पूर्व जमानत धनराशि एवं सक्षम अधिकारी से प्राप्त चरित्र एवं हैसियत प्रमाण-पत्र, पहचान पत्र, जी०एस०टी० नम्बर, पैन कार्ड नम्बर, आधार नम्बर, जमा करने के उपरान्त ही निर्धारित बोली में भाग लेने हेतु अधिकृत होंगे ठेका नीलामी की शर्ते व विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में श्री अखिलेश कुमार सेंगर लिपिक नगर पालिका परिषद खैर से की जा सकती हैं। हैसियत एवं चरित्र प्रमाण-पत्र वैद्य तिथि के अन्तर्गत होना चाहिए।

नियम एवं शर्ते

1. बोलीदाता को जमानत राशि रू. 50,000-00 शब्देन (पचास हजार रूपये मात्र) नगद अथवा बैंक एफ०डी०आर/डाकघर एन०एस०सी० जो अधि०अधि० न०पा०प० खैर के नाम बन्धक हो बोली की तिथि/समय से 02 घण्टा पूर्व जमा करना अनिवार्य है। बोलीदाता को चरित्र/हैसियत प्रमाणपत्र जो सक्षम प्राधिकारी व वैद्यता तिथि के अन्तर्गत हो की प्रमाणित छायाप्रति भी जमा करना अनिवार्य तथा मांगे जाने पर मूल प्रति भी प्रस्तुत करनी होगी तभी बोली में भाग लेने की अनुमति दी जायेगी।
2. ठेका स्वीकृत होने पर बोलीदाता को कुल स्वीकृत बोली का 1/2 भाग तत्काल जमा करना होगा ऐसा न करने पर प्रथम बोलीदाता की जमा पूर्ण धनराशि पालिका जब्त कर द्वितीय क्रम के बोलीदाता अथवा पुनः बोली का अवसर दे सकती है। 50 प्रतिशत धनराशि तत्काल जमा न होने पर स्वीकृत बोलीदाता को वसूली का अधिकार नहीं दिया जायेगा तथा कुल जमा धनराशिस जब्त कर कानूनी कार्यवाही करते हुए द्वितीय क्रम के बोलीदाता को अवसर देने अथवा नये सिरे से ठेके उठाने के लिए नगर पालिका परिषद खैर पूर्णतः स्वतन्त्र होगी।
3. ठेके की पर्याप्त बोली न आने अथवा अन्य कारण से कार्यवाही पूर्ण न होने की दशा में अगली तिथि में बोली की कार्यवाही की जायेगी इस संबंध में पालिका मा० अध्यक्ष का निर्णय अन्तिम/मान्य होगा।
4. बोली स्वीकृत होने से एक सप्ताह के अन्दर 50 प्रतिशत धनराशि पालिका में जमा करने के बाद ठेकेदार को स्वयं के व्यय पर पालिका पक्ष में निर्धारित दर के शासकीय स्टाम्प पर अनुबन्ध तहरीर करना होगा तभी वसूली अधिकार प्रमाण-पत्र निर्गत किया जायेगा।
5. ठेका विज्ञापन शुल्क पालिका द्वारा निर्धारित चिन्हित स्थलों एवं नियमावली के अनुसार होगा जो कि पत्रावली पर उपलब्ध है।
6. उक्त ठेका की सरकारी बोली पालिका द्वारा निर्धारित की जायेगी जो सभी बोलीदाताओं को मान्य होगी।
7. बोलीदाता को रोड सेफ्टी के सम्बन्ध में समय समय पर निर्गत शासनादेशों का पूर्णतः अनुपालन करना होगा।
8. शेष विस्तृत नियत/शर्ते पत्रावली पर उपलब्ध है जो अन्तिम एवं मान्य है तथा किसी भी कार्य दिवस/समय में देखी व प्राप्त की जा सकती है।

(अखिलेश कुमार सेंगर)	(निषाद मधुरमय)	(संजय शर्मा)
लिपिक	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
न.पा.प.खैर	न.पा.प. खैर	न.पा.प. खैर

पत्रांक:442/न०पा०प० खैर/2025-26 दिनांक 30 अप्रैल 2025

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए डीएम की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

ऐसी शिकायतें जिनका निस्तारण न होने से व्यक्ति न्यायालय की शरण में जा सकता है, प्राथमिकता से लोक अदालत में कराएं निस्तारण

राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न विभागों द्वारा समेकित रूप से 01 लाख 05 हजार से अधिक वादों का निस्तारण प्रस्तावित

लोक अदालत से जनसामान्य को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिलने के साथ ही समय और संसाधनों की होती है बचत–डीएम

अलीगढ़ 02 मई। जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में न्यायिक अधिकारियों, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य, आपूर्ति, शिक्षा, राजस्व सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। डीएम ने सभी अधिकारियों से लोक अदालत को जन–जागरूकता अभियान के रूप में लेने और अधिक से अधिक वादों के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। डीएम ने कहा कि ऐसी शिकायतें जिनका निस्तारण न होने से व्यक्ति न्यायालय की शरण में जा सकता है उनका निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से कराया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से जनसामान्य को त्वरित एवं सुलभ न्याय दिलाया जाता है। यह न केवल न्यायिक प्रक्रिया को सरल बनाता है बल्कि समय और संसाधनों की भी बचत करता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिन्हित वादों को लोक अदालत में निस्तारण के लिए तत्परता से तैयार किया जाए और आमजन को इसकी व्यापक जानकारी दी जाए।

एडीएम न्यायिक अखिलेश कुमार ने बैठक में लोक अदालत की रूपरेखा एवं अब तक की गई तैयारियों की जानकारी दी। इसके साथ ही विभिन्न विभागों से प्राप्त वादों की स्थिति और निस्तारण की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि विगत राष्ट्रीय लोक अदालत में 78000 वादों का निस्तारण कराया गया था। 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न विभागों द्वारा समेकित रूप से 01 लाख 05 हजार से अधिक वादों का निस्तारण कराया जाना प्रस्तावित है।

डीएम की अध्यक्षता में बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक 09 मई को

अलीगढ़ 02 मई। जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए बाढ़ से पूर्व तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप की बैठक कलैक्ट्रेट सभागार में 09 मई को सांय 04 बजे से आहुत की जाएगी।

अधिशासी अभियन्ता नरौरा खण्ड निचली गंगा नहर एवं सदस्य सचिव बाढ़ स्टीयरिंग ग्रुप ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में बाढ़ के समय बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करके आवश्यक प्रबन्ध एवं कार्यवाही, बाढ़ निरोधक कार्यों पर बाढ़ के समय आवश्यक सामग्री कार्य स्थल पर पहुंचाने के लिए साधन उपलब्ध कराना, बाढ़ निरोधक कार्यों के क्षतिग्रस्त स्थल पर मरम्मत के लिये मजदूर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था कराना, बाढ़ निरोधक कार्यों के सुरक्षार्थ, आवश्यकता पड़ने पर पीएसी, पुलिस या होमगार्ड द्वारा पेट्रोलिंग का प्रबन्ध करना, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ निरोधक कार्यों के क्षतिग्रस्त स्थलों पर जहां रात्रि में भी कार्य करने की आवश्यकता हो वहां बिजली का उचित प्रबन्ध करना, जलमग्न क्षेत्रों में वर्षा के पानी को निकालने के लिये पम्पों, बिजली और डीजल की समुचित व्यवस्था करना, राहत कार्यों से सम्बन्धित विभागों व संस्थाओं से समन्वय समेत बाढ़ से सम्बन्धित कार्य पर विचार–विमर्श किया जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से अनुरोध किया है कि अपने विभाग से सम्बन्धित कार्ययोजना के साथ बैठक में समय से प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

जिलाधिकारी शनिवार 03 मई को तहसील गभाना में सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन समस्याओं का कराएंगे निस्तारण

अलीगढ़ 02 मई। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा 03 मई शनिवार को तहसील गभाना सभागार में प्रातः 10 बजे से सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा।

निर्धारित रोस्टर के अनुसार अन्य तहसीलों में भी संबंधित एसडीएम एवं नोडल अधिकारियों द्वारा जनसमस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा।

भाकपा का 25 वां जिला सम्मेलन 4 मई को

अलीगढ़ 2 मई। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 25 वा जिला सम्मेलन दिनांक 4 मई दिन रविवार को प्रातः 10.30 पार्टी कार्यालय पान दरीबा पर संपन्न होगा सम्मेलन की उद्घाटन पार्टी के राष्टीय सचिव डॉक्टर गिरीश शर्मा करेंगे पार्टी के जिला सचिव एहतेशाम बेग में सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि सम्मेलन में समय से भाग ले।

निर्माणाधीन भगवान परशुराम मंदिर आसना मथुरा रोड अलीगढ़ में

गौशाला हेतु आदित्य वर्मा आई पी एस कमांडेंट पी एस सी एटा ने प्रदान किए 51,000 रुपए

अलीगढ़ 2 मई। श्री आदित्य वर्मा आई पी एस कमांडेंट पी एस सी एटा ने निर्माणाधीन भगवान परशुराम मंदिर आसना मथुरा रोड अलीगढ़ में निर्मित गौशाला हेतु 51,000 रुपए नगद प्रदान किए है।

ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष श्री पी सी शर्मा, महासचिव डॉक्टर एन के शर्मा एवम् मीडिया प्रभारी श्री मुकेश शर्मा ने अवगत कराया है कि श्री आदित्य वर्मा जी को जब निर्माणाधीन भगवान परशुराम मंदिर आसना मथुरा रोड अलीगढ़ में गौशाला की जानकारी प्राप्त हुई कि गौशाला निर्माणाधीन है तो उन्होंने स्वयं ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष श्री पी सी शर्मा जी के आवास शांतिपुरम कॉलोनी आगरा रोड अलीगढ़ पर पहुंचकर 51,000/–(इक्यावन हजार रुपए) नगद प्रदान किए। इस मौके पर ट्रस्ट/संस्थान के पदाधिकारी श्री पी सी शर्मा, महासचिव डॉक्टर एनके शर्मा, श्रीमती उपासना शर्मा, सोनू वशिष्ठ, प्रतीक शर्मा, अक्षय भारद्वाज, इंजीनियर प्रशांत लवणीय एवं चंचल चौधरी(तकीपुर) उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय एथलेटिक्स ट्रायल का आयोजन 5 मई को

अलीगढ़ 2 मई। प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में 18, 19 मई 2025 को आयोजित होने वाली 23वीं यू.पी. स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए जिला स्तरीय एथलेटिक्स ट्रायल का आयोजन 5 मई दिन सोमवार को प्रातः 8.00 बजे से ताला नगरी रामघाट रोड अलीगढ़ के खेल मैदान पर किया जाएगा जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव विवेक कुमार ने बताया पुरुष वर्ग/महिला वर्ग में 100 मी, 200 मीटर, 400 मीटर ,800 मीटर, 1500 मी, 5000 मीटर, 10000 मी दौड़ एवं लंबी कूद ,ऊंची कूद ,ट्रिपल जंप ,गोला फेंक, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो आदि इवेंट इवेंट्स का चयन ट्रायल किया जाएगा। खिलाड़ियों की आयु 1 जनवरी 2006 से 31 दिसंबर 2009 के बीच होनी चाहिए खिलाड़ियों को सूचित किया जाता है कि वह एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कर ले यदि रजिस्ट्रेशन नहीं होता है तो वह खिलाड़ी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभा नहीं कर सकता है

एएमयू के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा विश्व टीकाकरण सप्ताह 2025 का आयोजन

अलीगढ़, 2 मई। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने विश्व टीकाकरण सप्ताह 2025 के अवसर पर "सबके लिए टीकाकरण – मानवीय रूप से संभव" थीम के अंतर्गत एक सप्ताह तक चलने वाली जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया। इस अभियान में स्वास्थ्य वार्ताएं, संवाद सत्र, प्रतियोगिताएं और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम शामिल रहे, जिनका उद्देश्य टीकाकरण के महत्व को जन–जन तक पहुँचाना था।

विभागाध्यक्ष प्रो. उजमा इरम के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में स्नातक, परास्नातक, बी.एससी. और एमपीएच छात्रों सहित विभागीय शिक्षक एवं चिकित्सक सक्रिय रूप से शामिल हुए। सप्ताह भर चले इस आयोजन में जवां के प्राथमिक विद्यालयों, ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों और शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र में जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया, जहाँ ग्रामीण और शहरी जनता को टीकाकरण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

प्रमुख आकर्षणों में डॉ. शुभम उपाध्याय और डॉ. युवराज सिंह राज द्वारा जवां और तेजपुर गाँव में विभिन्न आयु वर्गों के लिए आयोजित स्वास्थ्य वार्ताएं शामिल थीं, जिनमें टीकाकरण के महत्व को विस्तार से समझाया गया। इसके अतिरिक्त जूनियर रेजिडेंट्स और एमपीएच छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ने टीकों से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और जन–जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में छात्रों के लिए क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण, कविता लेखन और निबंध प्रतियोगिता जैसी रचनात्मक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। क्विज प्रतियोगिता में डॉ. अजीथा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि डॉ. अमन रंगरेज और डॉ. चेल्सी क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में बी.एससी. नर्सिंग की छात्रा महीन को प्रथम पुरस्कार मिला, जबकि डॉ. रिया और इलमा खानम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। कविता और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में मुनैरा मोइनुद्दीन और अलीमा सरताज विजेता रहीं।

समापन समारोह में सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मेडिकल फैकल्टी के डीन प्रो. मोहम्मद हबीब रजा सहित विभिन्न विभागों के गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। प्रो. उजमा इरम ने कार्यक्रम की सफलता के लिए छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग पर लगेगा अंकुश, राजस्व प्राप्तियों में होगा इजाफा

डीएम ने अवैध खनन होने पर वाहनों के जब्तीकरण एवं संबंधित के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने के दिए निर्देश

अलीगढ़ 02 मई। जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में राजस्व प्राप्तियां बढ़ाए जाने, अवैध खनन, ओवरलोडिंग एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के लिए बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें एडीएम (वित्त एवं राजस्व) मीनू राणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। डीएम ने कहा कि खनन कार्यों के माध्यम से प्राप्त होने वाला राजस्व राज्य की आर्थिक उन्नति का आधार है। अतः इसकी पारदर्शिता एवं नियमबद्धता अनिवार्य है।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि खनन कार्यों की नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण की व्यवस्था सख्ती से लागू की जाए। खनन क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई की जाए और अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए, वाहनों को जब्त किया जाए। सूचना तंत्र मजबूत करें। 112 नम्बर के माध्यम से प्राप्त शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए कार्यवाही की जाए। जहां भी ओवरलोडिंग की शिकायत प्राप्त हो तुरंत एक्शन लिया जाए। उन्होंने कहा कि अवैध खनन के विरुद्ध जितनी अधिक कार्रवाई होंगीं राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि होगी।

एडीएम वित्त मीनू राणा ने कहा कि खनन एवं परिवहन विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करना होगा ताकि राजस्व में वृद्धि सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ओवरलोडिंग पर सख्त निगरानी रखी जाएगी और निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। एडीएम ने एसडीएम एवं सीओ को निर्देशित किया कि अपने–अपने क्षेत्रों में ठोस एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए राजस्व निरीक्षक एवं लेखपालों को जिम्मेदार बनाएं। बिना अनुमति के खनन न होने दिया जाए, सुनिश्चित हो। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि खनन स्थलों एवं परिवहन मार्गों की जीआईएस के माध्यम से मैपिंग कराई जाएगी, जिससे वास्तविक गतिविधियों पर डिजिटल निगरानी संभव हो सके। साथ ही, संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समय–समय पर खनन स्थलों का निरीक्षण कर स्थिति की रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। बैठक में एसपी ट्रैफिक मुकेश उत्तम, सभी एसडीएम, पुलिस क्षेत्राधिकारी, जिला खनन अधिकारी, परिवहन अधिकारी, वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रम विभाग एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में अटल आवासीय विद्यालय में गोष्ठी का हुआ आयोजन

विभागीय अधिकारियों द्वारा श्रमिक कानूनों एवं श्रमिक हित में संचालित योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

अलीगढ़ 02 मई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं श्रम विभाग के तत्वाधान में अटल आवासीय विद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में श्रमिकों को प्रदत्त विधिक अधिकारों, श्रम विभाग एवं उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिकों के हितार्थ संचालित विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया।

उप श्रम आयुक्त सियाराम अलीगढ़ क्षेत्र द्वारा विस्तृत रूप से श्रमिक के अधिकारों एवं विगत 10 वर्षों में किये गये श्रम सुधार कार्यों के बारे में जानकारी दी गयी। उन्होंने न्यूनतम वेतन अधिनियम–1948, वेतन भुगतान अधिनियम–1936, बोनस भुगतान अधिनियम–1965 कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम–1923 व अन्य श्रम अधिनियमों में श्रमिकों को प्रदत्त विधिक अधिकारों की जानकारी दी गयी।

पदोन्नत उप श्रम आयुक्त शेर सिंह ने उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए संचालित मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह योजना, मृत्यु एवं दिव्यांगता योजना के बारे में विस्तृत जानकारी यथा उद्देश्य, पात्रता की शर्तें, जॉच प्रक्रिया एवं देय हितलाभ में निहित धनराशि से अवगत कराया गया।

श्रम प्रवर्तन अधिकारी आशीष कुमार अवस्थी बाल एवं किशोर अधिनियम 1986, बंधुआ श्रम अधिनियम 1976 और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित ई–श्रम पोर्टल के बारे में विधिवत जानकारी देते हुए श्रमिकों के लिए संचालित एक्सग्रेशिया सहायता के बारे में जानकारी दी गयी।

अन्त में संगोष्ठी का समापन प्रधानाचार्य, अटल आवासीय विद्यालय रोहित सारस्वत द्वारा प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अटल आवासीय विद्यालय के बारे में उसके शैक्षिणिक पाठयक्रम, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं तथा विद्यालय में उपलब्ध खेलकूद की व्यवस्था के बारे में जानकारी देते हुए किया गया। गोष्ठी में विभागीय अधिकारियों के साथ ही दूर–दराज से आये श्रमिकगण द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वृक्षारोपण की समीक्षा करते हुए नगर आयुक्त विनोद कुमार अन्य अधिकारी गण

वृक्षारोपण के लिए हुआ मंथन–नगरीय क्षेत्र में नगर निगम लगायेगा 16000 पेड़

वृक्षारोपण को लेकर नगर आयुक्त ने की समीक्षा–अधीनस्थों को सौपे दायित्व

वृक्षारोपण की तैयारियों में जुटा नगर निगम–नगर आयुक्त की पहल नगरीय स्कूल का हर एक बच्चा रोपित करेगा एक वृक्ष–तो बदेलेगी अलीगढ़ की सूरत

❐नगरीय पार्को की जल्द बदेगी सूरतेहाल–नगर आयुक्त ने उद्यान विभाग और निर्माण विभाग को सौपा जिम्मा

अलीगढ़ 2 मई। इस बार नगर निगम ने वृक्षारोपण की तैयारियों को अभी से शुरू कर दिया है।

नगर आयुक्त विनोद कुमार ने इस बार शासन द्वारा नगरीय क्षेत्र में 16000 वृक्षारोपण के लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक संख्या में नगरीय क्षेत्र के सभी स्कूल के बच्चों के हाथो एक पेड़ लगाने की पहल को शुरू करने का निर्णय लिया है।

वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा करते हुये नगर आयुक्त ने प्रभारी अधिकारी उद्यान डॉ राजेश वर्मा को नगर निगम के खाली पड़े भूखण्डों, तालाबों, पोखरों, मुख्य मार्गो, डिवाइडरों पार्को के साथ–साथ शासकीय भवनों में वृक्षारोपण के लिये कार्ययोजना तीन दिवस में बनाये जाने के निर्देश दिये है। नगर आयुक्त इस बार वृक्षारोपण व नगरीय पार्को के जीणोद्धार के लिये निर्माण विभाग और उद्यान विभाग के अलग अगल दायित्व भी निर्धारित कर दिये है आने वाले कुछ समय में नगरीय क्षेत्र के अधिकांश पार्को में पौधरोपण के साथ साथ आवश्यकतानुसार ओपन जिम, फुटपाथ आदि की व्यवस्था नगर निगम करने जा रहा है।

नगर आयुक्त विनोद कुमार ने कहा इस बार वृक्षारोपणय मुहिम सामाजिक संगठनों के साथ साथ विभिन्न स्कूलों को जोड़ने का प्रयास किया जायेगा इसके लिये नगर निगम विभिन्न स्कूलों को आवश्यकतानुसार पेड़ भी निशुल्क उपलब्ध करायेगें।

नगर निगम द्वारा पूर्व में सारसौल मरघट के सामने लगभग 1276 वर्गमीटर, ईसापुर पार्क में 300 वर्ग मीटर तथा असरपुर कयाम में 2500 वर्गमीटर में मियावाकी पद्धाति से वृक्षारोपण कराया गया तथा आने वाले दिनों में इसी पद्धाति पर अन्य स्थानों के चयन के उपरान्त नंदन वन बनाये जाने का कार्य किया जायेगा।

समीक्षा बैठक में अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव, प्रभारी उद्यान डॉ राजेश वर्मा, सहायक अभियन्ता सिब्बे हैदर अवर अभियन्ता संजय कुमार आदि मौजूद थे।

हवन में आहूति प्रदान कर दी मृतकों को श्रद्धांजलि

अलीगढ़ 2 मई। उम्मीद सामाजिक संस्था की ओर से जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए मृतकों की आत्मशांति के लिए मामू भांजा स्थित राधा मोहन मंदिर में हवन का आयोजन किया गया। इस दौरान पदाधिकारियों ने हवन में आहूति प्रदान की मृतकों को श्रद्धांजलि दी। और 2 मिनट का मौन धारण किया।

हवन में शामिल महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा हैं की में भारतीय नागरिकों की हत्या की घोर निंदा करता हू, आचार्य यश भारद्वाज ने कहा है कि कहा की पाकिस्तान ने एक बार से कायरना हरकत करके दर्शा दिया है की वह कभी नहीं सुधर सकता, लेकिन अब समय आ गया है कि प्रधानमंत्री जी पाकिस्तान के खिलाफ ऐसी कार्यवाही करे, जिसे पूरी दुनियां देखे हवन में मौजूद,डॉ तरुण शर्मा,सतीश कुमार ,आशु वार्ष्णेय, मीडिया प्रभारी ललित वार्ष्णेय, राजेश अग्रवाल,दिनेश अग्रवाल, महेश श्रीवास्तव, अतुल अग्रवाल ,पवन गुप्ता, अजय अग्रवाल, वेद प्रकाश, कीर्ति अग्रवाल, मंदिर के पुजारी किशन भारद्वाज आदि।

डीएम की अध्यक्षता में जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक सम्पन्न

शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने के लिए शासन–प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध

विद्यार्थियों को बिना किसी आर्थिक दबाव के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कराना शासन की प्राथमिकता

डीआईओएस विद्यालय प्रबंधन से दिए गए निर्देशों का कड़ाई से कराएं अनुपालन–संजीव रंजन, डीएम

अलीगढ़ 02 मई। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने निर्देश दिए कि कोई भी विद्यालय मनमाने ढंग से शुल्क वृद्धि न करे। शुल्क निर्धारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए और विद्यालयों को अपनी शुल्क संरचना विद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी विद्यालय द्वारा शुल्क संबंधी शिकायत प्राप्त होती है तो उस पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। सभी विद्यालय प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि वे शुल्क निर्धारण समिति का गठन कर उसकी बैठक का विवरण, अनुमोदन पत्र एवं शुल्क संरचना नियमानुसार विद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करें।

डीआईओएस सर्वदानन्द ने बताया कि शिक्षा शुल्क की वृद्धि कंज्यूमर इंडेक्स के आधार पर समिति के माध्यम से ही घटाने–बढ़ाने का नियम निश्चित है। डीआईओएस ने बताया कि अभी तक किसी विद्यालय ने शुल्क वृद्धि के बारे में न कोई सूचना दी है और न ही विद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया है।

उन्होंने सभी विद्यालयों को अपनी वेबसाइट जारी करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि नियमानुसार कोई विद्यालय प्रतिवर्ष स्कूल यूनीफार्म नहीं बदल सकता, इसे 05 वर्ष में समिति अनुमति से ही बदला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय शुल्क में आशातीत वृद्धि, पुस्तकें, स्कूल ड्रैस, बैग निश्चित दुकान से क्रय करने का दवाब बनाने, निजी प्रकाशकों की किताबें क्रय किए जाने के सबंध में बताया कि निरंतर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि पुस्तकें, स्कूल ड्रैस, बैग निश्चित दुकान से क्रय करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। स्कूली वाहन पार्किंग विद्यालय में होने के साथ ही वाहन की फिटनेस प्रमाण पत्र होना चाहिए, स्कूली वाहन में अध्यापक साथ रहें, पुलिस सत्यापन भी करा लें।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने के लिए शासन–प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी विद्यालयों से अपेक्षा की जाती है कि वे शासन के आदेशों का पूर्ण पालन करें ताकि छात्र–छात्राओं को बिना किसी आर्थिक दबाव के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके।

बैठक में समिति के नामित सदस्यों, अभिभावक प्रतिनिधियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं अन्य सम्बंधित व्यक्तियों ने भाग लिया।

जिले में नीट परीक्षा 04 मई को 20 केंद्रों पर

जिला नोडल अधिकारी ने परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों को दी परीक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी

अलीगढ़ 02 मई। जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी एवं प्रधानाचार्य केंद्रीय विद्यालय खुशीराम ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि पूरे देश में 04 मई रविवार को विभिन्न मेडिकल कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज, होम्योपैथिक कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज में स्नातक कोर्स में प्रवेश के लिए नीट (यूजी)–2025 (NEET-UG 2025) की परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा का आयोजन उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीनस्थ स्वायत्त संगठन "राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी" के द्वारा किया जा रहा है। जिले में यह परीक्षा 20 केन्द्रों पर शहर व शहर के आसपास के विभिन्न कॉलेज, इन्टर कॉलेज एवं केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित की जायेगी। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों एवं अभिभावकों को एनटीए द्वारा परीक्षा से सम्बंधित दिए गए निर्देशों का ठीक से अध्ययन करना चाहिए और उनका ससमय पालन करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों को केवल प्रवेश पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, निर्धारित प्रारूप पर चिपकाकर एक पोस्टकार्ड साइज फोटो, सरकार द्वारा जारी मूलरूप में (ओरिजिनल) पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि) एवं एक पारदर्शी पानी की बोतल ही परीक्षा केन्द्र में ले जाने की अनुमति है। इसके अतिरिक्त अन्य किसी सामान घड़ी, पेन, पेंसिल, मोबाइल, कैलकुलेटर, आभूषण, पर्स, बैग कुछ भी परीक्षा केन्द्र पर ले जाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा केन्द्रों के अन्दर कोई क्लॉक रूम की व्यवस्था नहीं होगी। ऐसे में परीक्षार्थी अपने साथ कोई ऐसी वस्तु या सामान परीक्षा केन्द्र पर न लेकर आएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की वेबसाइट से डाउनलोड कर प्रिंट किया हुआ प्रवेश पत्र, पोस्टकार्ड फोटो प्रवेश पत्र के साथ संलग्न प्रारूप पर चिपकाकर दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं ओरिजिनल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा के दिन प्रशासन के आदेशानुसार शहर में सारी फोटोस्टेट की दुकानें बंद रहेंगी। ऐसे में परीक्षार्थी और अभिभावक समय रहते अपने प्रवेश पत्र, फोटो, पहचान पत्र तैयार कर अपने पास रखें। परीक्षा केन्द्र द्वारा फोटोस्टेट, जीरोक्स, फोटो प्रिंट की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जायेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उपरोक्त आवश्यक दस्तावेजों को मोबाइल में दिखाने से प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अतः प्रवेश पत्र, फोटो, ओरिजिनल फोटो पहचान पत्र परीक्षार्थी के पास दस्तावेज के रूप में उपलब्ध होने चाहिए अन्यथा परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं मिलेगा।

उन्होंने बताया कि परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र में 11:00 बजे से 1:30 बजे तक प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। 1:30 बजे के बाद परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षार्थी इस बात का भी ध्यान रखें कि परीक्षा केन्द्र पर 11:00 बजे पहुँच कर प्रवेश प्राप्त करने के लिए फ्रिस्किंग,रजिस्ट्रेशन, बायोमेट्रिक सत्यापन प्रक्रियाओं से गुजरेंगें जिसके लिए पर्याप्त समय लग सकता है। अतः केन्द्र पर प्रवेश के अंतिम समय 1:30 बजे को इंतजार न करें बल्कि 11:00 बजे से प्रवेश पाने के लिए परीक्षा केन्द्र पर पहुँचे। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों की सुविधाओं, यातायत मार्गदर्शन के लिए बस स्टैंड रेलवे स्टेशन एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल का इंतजाम किया है। परीक्षार्थी एवं अभिभावक सभी तरह की अफवाहों से बचें और समय रहते परीक्षा केन्द्र पर पहुँचे। परीक्षार्थी शांत मन से अपनी परीक्षा पर केन्द्रित होकर परीक्षा दें। यदि अभ्यर्थी आवश्यक समझें तो अपने सम्बंधित केन्द्र कि लोकेशन की जानकारी एक दिन पूर्व में भी कर सकते हैं जिससे आने जाने के समय का आकलन हो सके।

उन्होंने परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि परीक्षा से सम्बंधित किसी भी तरह की अफवाहों में संलिप्त न हो अन्यथा प्रशासन द्वारा लोक परीक्षा अधिनियम–2024 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा सकती है।

एएमयू के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के सात छात्रों ने नीट सुपर स्पेशलिटी प्रवेश परीक्षा में कामयाबी हासिल की

अलीगढ़, 2 मई। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के सात छात्रों ने नीट सुपर स्पेशलिटी प्रवेश परीक्षा 2024–2025 में सफलता प्राप्त की है।

विभागाध्यक्ष प्रो. हम्माद उस्मानी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम छात्रों की निरंतर मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे प्रतिस्पर्धी सुपर स्पेशलिटी परीक्षाओं में से एक में हमारे छात्रों की सफलता अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने छात्रों के साथ–साथ शिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की।

परीक्षा में सफल छात्रों में डॉ. इसरा हसनैन (रैंक 54), डॉ. अब्दुल रहमान एस (रैंक 90), डॉ. अजीन सानू (रैंक 414), डॉ. लिंगनेइलम हाओकिप (रैंक 589), डॉ. शरिया गुफरान (रैंक 574), डॉ. उमर शेरवानी (रैंक 866), डॉ. मनीष कुमार (रैंक 1164) शामिल हैं।

प्रो. उस्मानी ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी और उनके शैक्षणिक व व्यावसायिक भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने शिक्षकों के मार्गदर्शन और परामर्श की भी प्रशंसा की।